छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 46 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

मछली व्यवसायी को रात भर बंधक बनाकर रखा, 1.75 लाख लेने के बाद छोड़ा

02 आरोपी गिरफ्तार, लूट की रकम 56 हजार रुपये कराया गया होल्ड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलकत्ता से आए मछली के कारोबारियों का अपहरण करके रात भर एक कमरे में नजरबंद रखने और जान से मारने की धमकी देकर पौने दो लाख रुपये वसूलने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मामला संज्ञान में आने पर कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, फरार आरोपियों के तलाश में पुलिस लगी है। पुलिस ने बैंक में जमा किए गए लूट की रकम में से 56 हजार रुपये को होल्ड करा दिया है।

जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नारायणपुरा बालिसखाना भाना भाटपाड़ा बारानगर 24 परगना उत्तर निवासी अरुप दास पिता बाबूलाल दास बीते 31 जनवरी को अपने साथी अरूण साव के साथ कलकत्ता से ट्रेन में बिलासपुर होते अंबिकापुर आया था और गौरव पथ में अंतर्राज्यीय प्रतीक्षा बस अड्डा के पास स्थित मानस होटल में रूका था। यहां आने के बाद वे मछली बेचने के लिए स्थानीय मछली के विक्रेताओं और होटलों में घूम-घूमकर संपर्क कर रहे थे। तीन फरवरी को दोनों होटल से दोपहर करीब 12 बजे निकले और बस स्टैंड के आसपास मछली का कारोबार करने वाले लोगों से बातचीत करने के बाद खाना खाकर मौलवी बांध तालाब की ओर मछली देखने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान मोटरसायकल और स्कूटी में सवार चार युवक आए और इनसे कहां से आए हो, पूछा। जब इन्होंने पश्चिम बंगाल से मछली बेचने के लिए आने की बात कही, तो वे गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर अलग-अलग दोपहिया वाहनों में इन्हें बैठाकर ले गए और अनजान जगह में ले जाकर पास में रखे 35 हजार रुपये नकद, मोबाइल फोन और पर्स लूट लिए। इसके बाद इन्हें एक कमरे में ले जाकर रात भर बंद रखा। इस बीच 5-6 अन्य लोग आए और जान से मारने की धमकी देकर इनके साथ सभी ने मारपीट की। आरोपियों ने भयादोहन करते हुए कहा कि अगर छूटना है तो दो लाख रुपये दो, नहीं तो जान से मारकर खत्म कर देंगे, किसी को तुम लोगों का पता भी नहीं चलेगा। इससे दोनों घबरा गए और पास में रुपये नहीं होने की बात कहकर छोड़ देने की मिन्नतें करते रहे, लेकिन सभी रुपये की मांग को लेकर अडिग रहे। इनके खतरनाक मंशा को देखकर वे फोन करके ऑनलाइन 50 और 60 हजार रुपये मंगाए, जिसे आरोपियों ने फोन पे, यूपीआई से अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया। आरोपी इनके पास मिले एटीएम का पिन नम्बर लेकर 30 हजार रुपये नकद भी फोन पे, यूपीआई से अपने नम्बर पर ट्रांसफर कर लिए थे। पौने दो लाख रुपये मिलने के बाद 4 फरवरी को सुबह 9 बजे आरोपियों ने इन्हें धमकाते हुए छोड़ दिया था। मामले में थाना कोतवाली में धारा 296, 351(3), 115 (2), 190, 191(2), 127(7), 310(2), 135 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

कार्रवाई में ये रहे शामिल

कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शशिकान्त सिन्हा, उप निरीक्षक के.के. यादव, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, जयदीप सिंह, व विकास सिन्हा, आरक्षक मनीष सिंह, अमनपुरी, राहुल केरकेट्टा, मंटू गुप्ता, शिव राजवाड़े सक्रिय रहे।

इन आरोपियों को गिरफ्तार की पुलिस

डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा पुलिस टीम को मामले में त्वरित कार्रवाई कर प्रकरण के आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में साइबर सेल एवं थाना कोतवाली पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई कर प्रकरण में शामिल 02 आरोपियों अलताब खान पिता अरमान खान 21 साल निवासी ग्राम जरहाडीह मिशन स्कूल रोड रघुनाथपुर, थाना लुण्ड्रा व शरद चौधरी पिता दिनेश चौधरी 22 साल निवासी दर्रीपारा मलेरिया ऑफिस के पास अंबिकापुर को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने लूट की रकम को खाते में जमा करना बताया, जिसमें से 56 हजार रुपये को होल्ड किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 03 मोबाइल जप्त किया गया है। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया है, और फरार आरोपियों के तलाश में लगी है।

बदमाशों में पुलिस का खौफ नहीं

पुलिस ने फौरी कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को जरूर गिरफ्तार कर लिया, लेकिन आए दिन शहर में बेखौफ मारपीट, चाकूबाजी जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे बदमाशों में पुलिस का खौफ नहीं, जैसी चर्चा शहर में होने लगी है। अपराधी संगीन वारदातों को अंजाम देने में नहीं हिचक रहे हैं। ऐसे में पुलिस अधिकारियों के द्वारा अपराधियों पर नकेल कसने के लिए कसावट की बात करना फिजूल साबित हो रहा है। दिनदहाड़े कभी चाकूबाजी तो कभी अपहरण, लूट जैसी वारदातों का सामने आना कहीं न कहीं पुलिस की नाकामी को उजागर कर रहा है।

शहर के हृदयस्थल में इच्छापूर्ति दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में चोरी

कलेक्टोरेट परिसर को माना जाता है अति-संवेदनशील और सुरक्षित

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के हृदयस्थल में सबसे सुरक्षित माना जाने वाला कलेक्टोरेट परिसर भी चोरों से सुरक्षित नहीं है। शहर की कानून-व्यवस्था को धत्ता बताते नकाबपोश चोरों ने परिसर में स्थित जन आस्था के केंद्र को अपना निशाना बना दिया। चोरी की वारदात ऐसे अति सुरक्षित परिसर में हुई, जहां जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का कार्यालय है। घटना से शहर में कमजोर पुलिसिंग व्यवस्था की पोल खुल रही है। चोर कितनी धन राशि मंदिर के दान पेटी से ले गए यह महत्वपूर्ण नहीं, लेकिन वारदात को बेखौफ अंजाम देना कई प्रकार के सवालिया निशान लगा रहा है।

बता दें कि कलेक्टोरेट परिसर में भव्य इच्छापूर्ति दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर का निर्माण पूर्व कलेक्टर विलास भोस्कर द्वारा कराया गया है। नवंबर 2024 में यहां प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा की गई, इसके बाद यह मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का केंद्र बन गया है। यहां विधि-विधान से पूजा-अर्चना के लिए रोजाना श्रद्धालु पहुंचते हैं। शातिर नकाबपोशों ने इस मंदिर में रखी दान पेटी को बड़ी सफाई से ताला तोड़ा और उसमें जमा महीनों का चढ़ावा लेकर रफूचक्कर हो गए। घटना का पता गुरुवार की सुबह उस समय चला जब मंदिर के पुजारी रोजाना की भांति पूजा करने के लिए पहुंचे। मंदिर का क्षतिग्रस्त मुख्य द्वार और टूटी हुई दान पेटी देखकर उन्होंने तुरंत इसकी सूचना कोतवाली पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज खंगालने पर चेहरे पर नकाब बांधे तीन युवक बेहद इत्मिनान से मंदिर के भीतर घुसकर चोरी करते नजर आ रहे हैं। चोरों ने कुछ ही मिनटों में पेटी को खाली किया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। चेहरे में नकाब होने की वजह से फिलहाल इनकी पहचान नहीं हो पाई है। सामने आए हुलिए के आधार पर संदिग्धों के तलाश में पुलिस जुट गई है। बड़ी बात यह है कि कलेक्टोरेट परिसर में कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, पुलिस अधीक्षक जैसे जिला अधिकारियों के अलावा तमाम कार्यालयों का संचालन होता है, इस लिहाज से यह परिसर अति-संवेदनशील और सुरक्षित माना जाता है। ऐसे परिसर के अंदर मंदिर में चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था को सवालों के घेरे में ले रहा है। कलेक्टोरेट परिसर में पहुंचे लोगों को जब मंदिर में चोरी की जानकारी मिली, तो उन्होंने टिप्पणी की, जब प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के नाक के नीचे मंदिर सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों के सुरक्षा व्यवस्था कैसे होगी, इसे कहने की जरूरत नहीं है। कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई वारदात को लेकर पुलिस अफसरों का कहना है कि जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं, लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की जरूरत आम जन महसूस कर रहे हैं।

कलेक्टोरेट परिसर में चौकीदार रहते हैं तैनात

कलेक्टोरट परिसर में कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के कार्यालय सहित तमाम विभागीय कार्यालयों का संचालन होने के कारण इस परिसर को अति संवेदनशील माना जाता है। कार्यालयीन समय में तो अधिकारी-कर्मचारियों की यहां मौजूदगी रहती है, इसके बाद चौकीदारों की निगरानी में यह विशाल परिसर रहता है। एहतियात बतौर यहां सीसीटीव्ही चौतरफा लगे हैं। इसके बाद भी बिना किसी डर-भय के कलेक्टोरेट परिसर में स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में चोरों ने धावा बोला और चोरी की वारदात को अंजाम देकर इत्मिनान से निकल गए।

महिला नगर सैनिक से दुष्कर्म, एसडीआरएफ के रसोईया के विरूद्ध अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइनअंबिकापुर। महिला नगर सैनिक से दुष्कर्म के मामले में अग्रिम जांच, कार्रवाई के बाद कोतवाली थाना पुलिस ने एसडीआरएफ के रसोईया के विरूद्ध दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया महिला होमगार्ड कार्यालय की 35 वर्षीय नगर सैनिक के द्वारा एसडीआरएफ में कार्यरत रसोईया वासुदेव यादव पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की थी। महिला का कहना था कि 2021 को रसोईया वासुदेव से उसका जान-पहचान हुआ था। विवाहित होने के बाद भी वह उससे प्रेम करने की बात कहते हुए शादी करने का प्रस्ताव रखा और मार्च महीने में होमगार्ड कार्यालय के बैरक में उसे मिलने के बुलाया। इसके बाद जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। आरोप है कि इसके बाद अलग-अलग जगह उसे बुलाता और दुष्कर्म करते आ रहा था, जिससे वह गर्भवती हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर आरोपी वासुदेव 26 अगस्त 2021 को उसे दवा खिला दिया था, जिससे गर्भपात की स्थिति बन गई। 25 नवम्बर 2021 को वह उसके साथ पुनः शारीरिक संबंध बनाया। महिला नगर सैनिक ने जब उसके समक्ष शादी करने का प्रस्ताव रखा तो वह साफ इन्कार कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच मनभेद की स्थिति बन गई। बात नहीं बनने पर महिला ने इसकी शिकायत पुलिस अधिकारियों से की थी, जिस पर जांच, कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। पुलिस ने महिला का बयान दर्ज करके आरोपी के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

एसीबी ने उपायुक्त और वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 को ठेकेदार से रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

हाउसिंग बोर्ड के संभागीय कार्यालय में हुई ट्रेप कार्रवाई से मचा हड़कम्प

■ **भवन के भौतिक सत्यापन व अंतिम समयावृद्धि की अनुशंसा के एवज में मांगे थे 65 हजार**

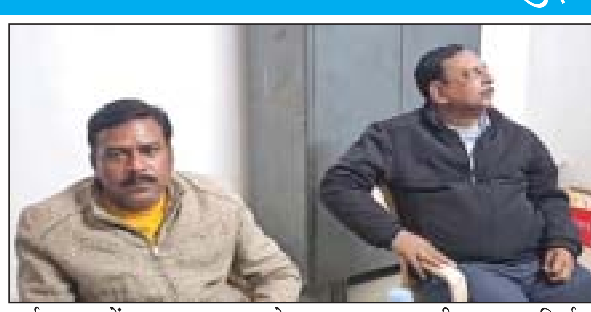

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गोधनपुर स्थित हाउसिंग बोर्ड के संभागीय कार्यालय में ठेकेदार से 65 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उपायुक्त व वरिष्ठ सहायक ग्रेड 02 को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों से एसीबी के कार्यालय में पूछताछ चल रही है।

जानकारी के मुताबिक ठेकेदार रवि कुमार ने 20.01.2026 को एसीबी के कार्यालय में आवेदन पत्र देकर अवगत कराया था कि वह वर्ष 2023 में हाउसिंग बोर्ड कार्यालय संभाग अंबिकापुर से 65 लाख रुपये की लागत से नवीन तहसील भवन दौरा कोचली जिला बलरामपुर एवं वर्ष 2023 में 43.51 लाख रुपये की लागत से कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लुण्ड्रा के 6 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का निविदा निकलने के उपरांत निविदा भरा था एवं निर्माण कार्य कराया था। निर्माण कार्य समय पर पूरा नहीं होने के कारण ठेकेदार ने विभाग में अंतिम समयावृद्धि व भवन के भौतिक सत्यापन के लिए आवेदन दिया गया था। निर्माण पूर्ण होने के बाद नवीन तहसील भवन दौरा कोचली जिला बलरामपुर के निर्माण कार्य का लगभग 28 लाख रुपये एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय लुण्ड्रा में 6 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य का लगभग 7.50 लाख रुपये का भुगतान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल वृत्त अंबिकापुर के द्वारा किया जाना था। दोनों कार्यों का भौतिक सत्यापन एवं अंतिम समयावृद्धि की अनुशंसा करने के एवज में उपायुक्त, अधीक्षण अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल वृत्त अंबिकापुर पूनम चन्द अग्रवाल के द्वारा 01 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई थी।

ठेकेदार के शिकायत का सत्यापन एसीबी के द्वारा कराने पर सामने आया कि आरोपी पूनम चन्द अग्रवाल के द्वारा दोनो कार्यों का 30-30 हजार रुपये के हिसाब से कुल 60 हजार रुपये रिश्वत के रूप में लेने की सहमति दी गई। इसके बाद 05.02.2026 को ट्रेप कार्रवाई आयोजित करके प्रार्थी ठेकेदार को रिश्वती रकम 60 हजार रुपये लेकर आरोपी पूनम चन्द अग्रवाल को देने के लिए भेजा गया तो उन्होंने रकम कार्यालय कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल संभाग, जो उक्त कार्यालय के बगल में स्थित है, में पदस्थ वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 अनिल सिन्हा को देने के लिए कहा। प्रार्थी, वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 अनिल सिन्हा से जाकर मिला तो उनके द्वारा कहा गया कि उपायुक्त पूनम चन्द अग्रवाल के द्वारा 60 हजार रुपये नहीं बल्कि 70 हजार रुपये लेने के लिए कहा गया है। ठेकेदार ने कहा कि इसके अलावा उसके पास पैसा नहीं है तब वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 अनिल सिन्हा के द्वारा कहा गया कि कहीं से लेकर आइए कम से कम 65 हजार रुपये तो देना ही पड़ेगा। इसकी जानकारी वह ट्रैप दल को दिया और पुनः प्रार्थी से अतिरिक्त 5 हजार रुपये लेकर पंचनामा तैयार करके फिनापथलीन पावडर लगे रिश्वती रकम 60 हजार रुपये के साथ शामिल करके कुल 65 हजार रुपये रिश्वत देने हेतु वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 अनिल सिन्हा के पास भेजा गया, इनके द्वारा रिश्वती रकम 65 हजार रुपये प्राप्त कर उसमें से अपने हिस्से का 5 हजार रुपये निकालकर अपने की दराज में रख दिया और शेष रकम 60 हजार रुपये को प्रार्थी, ठेकेदार के साथ उपायुक्त पूनम चन्द अग्रवाल को उसके कार्यालयीन कक्ष में जाकर दे दिया, जिसे उपायुक्त पूनम चन्द अग्रवाल ने अपने टेबल में रखे मोबाइल स्टैण्ड से दबाकर रखा था। इसके बाद ठेकेदार के इशारा करने पर ट्रेप दल के सदस्यों ने आरोपी उपायुक्त पूनम चन्द अग्रवाल से 60 हजार रुपये एवं वरिष्ठ सहायक ग्रेड-02 अनिल सिन्हा से 5 हजार रुपये बरामद कर जप्ती की कार्रवाई की है। दोनों आरोपियों के विरूद्ध धारा 7-12 पीसीएक्ट 1988 (यथा संशोधन 2018) के तहत कार्रवाई की गई है।

घंटों लाइन लगाने के बाद बैंक से 20 हजार मिलने पर किसानों ने किया चक्काजाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। धान बेचने के बाद भी किसानों को समय पर पूरा भुगतान नहीं मिलने से नाराज किसानों ने गुरुवार को आकाशवाणी चौक स्थित सहकारी बैंक के बाहर चक्काजाम कर दिया। किसानों का कहना है कि वे कई दिनों से बैंक के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें एक बार में सिर्फ 20-20 हजार रुपये ही दिया जा रहा है। किसानों ने बताया कि बैंक में सुबह से लंबी कतार लग रही है। घंटों इंतजार के बाद भी पूरा भुगतान नहीं हो पा रहा है। इससे किसानों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि वर्तमान में शादी का सीजन चल रहा है। बेटे-बेटियों के विवाह सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए रुपयों की आवश्यकता है, लेकिन भुगतान में देरी के कारण परेशानी बढ़ गई है। बैंक के भीतर और सड़क पर किसानों की भीड़ बढ़ने पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस जवान मौके पर पहुंचे। किसानों ने जल्द व्यवस्था सुधारने और भुगतान प्रक्रिया तेज करने की मांग की।

दो करोड़ की जगह मिल रहा एक करोड़

किसानों का कहना था कि बैंक शाखा में प्रतिदिन करीब 2 करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है, लेकिन शाखा को केवल 1 करोड़ रुपये ही उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे भुगतान व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

सेमरसोत अभ्यारण्य अंतर्गत एक ग्रामीण के घर से 59 नग साल का बल्ली जब्त

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। सेमरसोत अभ्यारण्य के कोदौरा में वन विभाग ने बड़ी मात्रा में इमारती लकड़ी जप्त किया है। अभ्यारणय के बीट डुमरखोला में मुखबिर की सूचना पर ठुनु राम पिता सरजू खैरवार निवासी ग्राम चम्पापुर के घर में उप निदेशक, एलिफेंट रिजर्व सरगुजा के निर्देशन व अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य बीएस भगत के मार्गदर्शन व रेंजर कोदौरा विनय टंडन के नेतृत्व में सर्चिंग कर घर से 59 नग साल बल्ली जप्त किया गया है। जप्त वनोपज की राशि 15 हजार रुपये आंकी गई है। वनोपज जप्ती की कार्रवाई कर भारतीय वन अधिनियम 1927 एवम वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत पीओआर प्रकरण दर्ज किया गया और सभी वनोपज को डिपो परिवहन करा दिया गया है। फिलहाल मामले मे जांच कार्रवाई चल रही है। अधीक्षक बीएस भगत के मार्गदर्शन में सेमरसोत अभ्यारण्य में चल रही कार्रवाई से लकड़ी तस्करों में भयमिश्रित माहौल निर्मित हो गया है।

मोबाइल और गिफ्ट गैलरी दुकान के आड़ में प्रतिबंधित ई-सिगरेट का गोरखधंधा

मणिपुर पुलिस व आबकारी विभाग की टीम ने सीएसपी के नेतृत्व में की संयुक्त कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पास स्थित शासकीय स्कूल के सामने एक मोबाइल व गिफ्ट गैलरी दुकान से भारी मात्रा में ई-सिगरेट व चाकू बरामद किया गया है। गुरुवार की दोपहर मणिपुर पुलिस व आबकारी विभाग की टीम ने नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त कार्रवाई की। ई-सिगरेट भारत में प्रतिबंध है, इसके बावजूद संचालक द्वारा अवैध करोबार लंबे समय से किया जा रहा था। स्कूल के समीप दुकान होने के कारण कई बच्चों को भी ई-सिगरेट की लत लग गई थी। पुलिस ने दुकान संचालक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के मुताबिक मणिपुर शासकीय स्कूल के सामने अमित मोबाइल व गिफ्ट गैलरी की दुकान है। इसका संचालक अमित अग्रवाल है। दुकान संचालक लंबे समय से दुकान के आड़ में प्रतिबंधित ई-सिगरेट का अवैध करोबार कर रहा था। ई-सिगरेट के स्कूली छोटे बच्चे भी आदी हो रहे थे। इसे लेकर स्कूल प्रबंधन चिंतित था। स्कूल के शिक्षकों द्वारा इसकी जानकारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को दी गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने डीआईजी व सरगुजा एसएसपी राजेश अग्रवाल को दी। उन्होंने नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में आबकारी व मणिपुर पुलिस को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

सामान्य सिगरेट से घातक ई-सिगरेट

नगर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने जब मोबाइल और गिफ्ट गैलरी दुकान के आड़ में चल रहे अवैध कारोबार की पुष्टि के लिए छापामार कार्रवाई की तो 60 पैकेट ई-सिगरेट के व चाकू मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। टीम ने दुकान संचालक अमित अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। मणिपुर थाना प्रभारी सीपी तिवारी व सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि ई-सिगरेट भारत में प्रतिबंध है। इसके बावजूद दुकान संचालक द्वारा बिक्री की जा रही थी। ई-सिगरेट नॉर्मल सिगरेट से काफी घातक है।स्कूल के सामने दुकान होने के कारण किसी को शक नहीं होता था पर ई-सिगरेट की दुष्प्रभाव स्कूल के बच्चों पर पड़ रहा था।

रजत जयंती वर्ष के तहत जिले के विद्युत वितरण केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में रजत जयंती वर्ष का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले में विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न विद्युत वितरण केंद्रों में 30 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक रजत जयंती वर्ष अंतर्गत जनजागरूकता एवं लाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

जिसके तहत 02 फरवरी 2026 को रामचन्द्रपुर एवं कुसमी विद्युत वितरण केंद्र तथा 03 फरवरी 2026 को बलरामपुर, वाड्रफनगर एवं रामानुजगंज विद्युत वितरण केंद्रों में रजत जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा 05 हितग्राही को पीएम जनमन अंतर्गत विद्युत कनेक्शन प्रमाण पत्र, 03 हितग्राही को गैर घरेलू कनेक्शन प्रमाण पत्र, 04 हितग्राही को घरेलू कनेक्शन प्रमाण पत्र, 03

हितग्राही को बीपीएल कनेक्शन प्रमाण पत्र, 03 हितग्राही को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना प्रमाण पत्र तथा 4 हितग्राहियों को कृषक जीवन ज्योति योजना अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। साथ ही विद्युत विभाग की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपभोक्ताओं को विद्युत विभाग द्वारा प्रदत्त योजनाओं, सेवाओं एवं सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर बलरामपुर वितरण केंद्र में उपस्थित अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिंहदेव ने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए आमजन को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है, इसलिए जब भी घर से बाहर जाएँ, अनावश्यक रूप से चल रही बिजली को अवश्य बंद करें। बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में आमजन को परेशान नहीं होना चाहिए, क्योंकि मैदानी अमला विपरीत मौसम और कठिन परिस्थितियों में भी आवश्यक सुधार एवं आपूर्ति बहाली के लिए निरंतर कार्य करता रहता है। साथ ही उन्होंने समय पर बिजली बिल का भुगतान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि समय पर बिजली बिल का भुगतान से व्यवस्था सुदृढ़ होती है और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहयोग मिलता है।

कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग श्री प्रकाश अग्रवाल ने रजत जयंती वर्ष पर विद्युत लाईन एवं उप केन्द्रों की उपलब्धि को साझा करते हुए वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं सीमित खनिज संसाधनों को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा हेतु संयंत्र लगाने पर चर्चा की गई। इस दौरान केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा दी जा रही सब्सिडी कुल अधिकतम राशि 1 लाख 8 हजार के बारे बताया गया। एकल बत्ती कनेक्शन के माध्यम से प्रति माह 30 यूनिट मुफ्त बिजली की जानकारी दी गई। कृषि पंप हेतु नए कनेक्शन लाइन विस्तार हेतु प्रति पंप 1 लाख की छूट के बारे में बताया गया। साथ ही कृषक जीवन ज्योति योजना एवं अन्य विभागीय योजना की जानकारी दी गई।

मैनपाट महोत्सव हेतु एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने दिया 20 लाख का सहयोग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरगुजा अंचल की पहचान बन चुके मैनपाट महोत्सव को इस वर्ष भी अधिक भव्य व यादगार बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। सामाजिक विकास, संस्कृति संरक्षण और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए महोत्सव के आयोजन हेतु 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह सहायता एसईसीएल बिश्रामपुर के क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह द्वारा सरगुजा कलेक्टर अजीत बसंत को चेक के माध्यम से सौंपी गई। मैनपाट महोत्सव सरगुजा संभाग का एक प्रमुख सांस्कृतिक आयोजन है, जो हर वर्ष प्रकृति की गोद में बसे मैनपाट की खूबसूरत वादियों में आयोजित होता है। यह महोत्सव न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि स्थानीय आदिवासी संस्कृति, लोककला, लोकनृत्य, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान को राष्टीय मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम भी है। एसईसीएल द्वारा दी गई यह सहायता आयोजन की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने, कलाकारों को बेहतर मंच देने और पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विस्तार में उपयोग की जाएगी। इस अवसर पर कलेक्टर अजीत बसंत ने कहा कि मैनपाट महोत्सव के माध्यम से सरगुजा की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सौंदर्य को देश-दुनिया

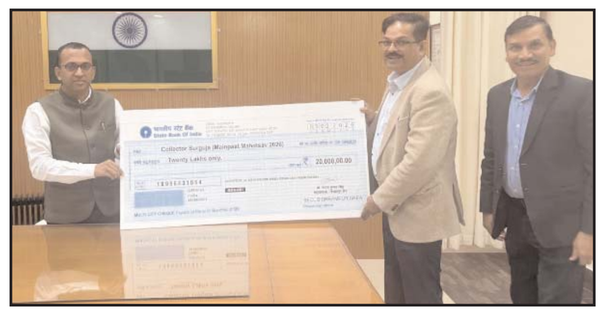

तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। एसईसीएल जैसे सार्वजनिक उपक्रमों का सहयोग इस आयोजन को और प्रभावी बनाता है तथा स्थानीय लोगों के रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण में भी सहायक सिद्ध होता है। उन्होंने एसईसीएल प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन और उद्योगों की साझेदारी से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय कुमार सिंह ने कहा कि एसईसीएल अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में भी निरंतर योगदान देता आ रहा है। मैनपाट महोत्सव सरगुजा संभाग की अस्मिता और परंपरा का प्रतीक है, और इसके सफल आयोजन में सहयोग करना एसईसीएल के लिए गर्व की बात है। उल्लेखनीय है कि मैनपाट को छत्तीसगढ़ का शिमला भी कहा जाता है। यहां का मनोरम प्राकृतिक वातावरण, हरियाली, झरने और शांत वादियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। मैनपाट महोत्सव के दौरान देश-प्रदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय होटल व्यवसाय, हस्तशिल्प विक्रेताओं, कलाकारों और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं। एसईसीएल का यह योगदान न केवल महोत्सव को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा, बल्कि सरगुजा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी मजबूती प्रदान करेगा।

कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 07 फरवरी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन संस्था के वेबसाइट eklavya.cg.nic.in पर ऑनलाइन माध्यम से भरा जा सकता है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 07 फरवरी 2026 तक निर्धारित किया गया है। ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि सुधार 08 से 10 फरवरी 2026 तक किया जा सकता है। प्रवेश हेतु परीक्षा की तिथि 01 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने चाहते हैं वे उक्त तिथि तक आवेदन पत्र भर सकते हैं।

बिश्रामपुर में बायपास सड़क निर्माण कराने कलेक्टर को ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा किसान मोर्चा के जिला सदस्य दुर्गा गुप्ता ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप बिश्रामपुर में बायपास मार्ग बनाए जाने की मांग की है। कलेक्टर को दिए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बिश्रामपुर अब घनी आबादी वाला शहर बनते जा रहा है। घनी आबादी की वजह से सड़कों पर ट्रैफिक का बोझ बढ़ता जा रहा है। आए दिन दुर्घटना की खबर मिलते रहती है। इसी रास्ते में बड़ी-बड़ी बसें, टेलर, ट्रक व अन्य वाहनों की आवाजाही होती रहती है। साथ ही उक्त मार्ग किनारे स्कुल, मंदिर, बैंक, बाजार भी है, इसकी वजह से हमेशा भीड भाड़ रहता है। बड़ी वाहनों की वजह से हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, इसलिए जिला मुख्यालय सूरजपुर की तर्ज पर

बिश्रामपुर में भी बायपास रोड होनी चाहिए, जिससे बड़ी वाहनों को शहर में न आकर बायपास रोड से निकलने की सुविधा मिल सके। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि यहां पर बायपास सड़क हेतु कई बार सर्वे भी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई पहल नहीं की जा सकी है।

महिला सैन्य पुलिस भर्ती रैली 26 फरवरी को

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी दी है कि सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर और रायपुर के तत्वाधान में महिला सैन्य पुलिस के पद के लिए भर्ती रैली का आयोजन 23 फरवरी 2026 को पुलिस ग्राउंड झिंझरी, कटनी (मध्यप्रदेश) में किया जाएगा। भारतीय सेना द्वारा 30 जून 2025 से 10 जुलाई 2025 तक ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस भर्ती रैली में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के वे महिला उम्मीदवार हिस्सा लेंगी, जिन्होंने पूर्व में आयोजित ऑनलाईन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) उत्तीर्ण कर ली है। शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन में सफल महिला उम्मीदवारों की चिकित्सा जांच 24 फरवरी 2026 को सेना अस्पताल, जबलपुर में की जाएगी। भर्ती रैली में शामिल होने वाली योग्य महिला उम्मीदवारों के प्रवेश पत्र उपलब्ध करा दिए गए हैं, साथ ही उम्मीदवारों के ई-मेल पर भी भेजे गए हैं।

सेना भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने के लिए उम्मीदवारों को एडमिट कार्ड, रैली अधिसूचना के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेज, तथा आधार कार्ड से लिंक मोबाईल फोन साथ लाना अनिवार्य होगा। साथ ही समय पर पहुंचकर सभी निर्देशों का पालन करने की अपील की गई।

पीएमश्री सजेस जयनगर में भूतपूर्व छात्रों का सम्मेलन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। पीएमश्री सेजेस जयनगर में भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। भूतपूर्व छात्रों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरजपुर बीईओ हरेन्द्र सिंह थे। अन्य अतिथियों में एसएमडीसी के सदस्य शांतनु सिंह, सांसद प्रतिनिधि देवशरण, जाहिद अली, श्रीमती परविंदर कौर, विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती पुष्पा राय, पूर्व प्राचार्य वीरेंद्र जायसवाल उपस्थित थे। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, नाटक और स्वागत गीत इत्यादि प्रस्तुत किए गए। भूतपूर्व विद्यार्थियों को प्राचार्या श्रीमती पुष्पा राय तथा सूरजपुर बीईओ हरेंद्र सिंह व एसएमडीसी के सदस्यों द्वारा मोमेंटो दिया गया। भूतपूर्व छात्र स्नेहा देवांगन, अल्फिया नादिया, अंशिका तिवारी, चंदना विश्वास,

मुस्कान गुप्ता, सृष्टि सिंह, रिशिका जायसवाल, वैष्णवी सेन, मनीषा भगत, प्रज्ञा तिवारी, नंदिनी सोनी, अनीश बरके, पंकज दास, अजय राजवाड़े, रितेश मंडल, आशुतोष सिंह, निखिल कुमार गुप्ता, फैजान अंसारी, विक्रम सिंह, आकाश, शाकिब रजा खान उपस्थित थे। छात्रों द्वारा अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए गए। बीईओ हरेन्द्र सिंह द्वारा छात्रों को प्रेरणास्त्रोत भाषण दिए गए। मंच का संचालन व्याख्याता श्रीमती अमृता तथा नेहा पांडेय द्वारा किया गया।

ग्राम पंचायतों में दी जा रही वीबी जी राम जी योजना की जानकारी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को वीबी जी राम जी, रोजगार, आजीविका एवं आवास से संबंधित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान किया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत बरतीखुर्द में आजीविका डबरी निर्माण कार्य के दौरान ग्रामीणों एवं श्रमिकों को वीबी जीरामजी के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान मनरेगा के स्थान पर प्रस्तावित नवीन योजना विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात विकसित भारत जीरामजी के उद्देश्यों, स्वरूप एवं संभावित लाभों की भी जानकारी दी गई तथा बताया गया कि यह योजना भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी।

खेल का जीवन में होता है बड़ा महत्व : शफी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कंदरई गांव में इस तरह का अखिल भारतीय स्तर का फुटबॉल प्रतियोगिता कराया जाना निश्चित ही एक बड़ी उपलब्धि है। यहां के खिलाड़ियों को भी इस आयोजन से एक बेहतर मंच मिलता है। खेल का जीवन में अपना एक अलग ही महत्व होता है। उक्त बातें श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद ने बुधवार को ग्राम पंचायत कंदरई के एकता स्टेडियम में आयोजित स्व.इंदिरा गांधी अभा फुटबाल प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य आतिथ्य की आसंदी से व्यक्त करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आयोजन समिति द्वारा यहां पर वर्ष 1984 से इस स्पर्धा को प्रतिवर्ष कराकर एक बड़ा मिशाल कायम किया है। फुटबॉल ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा शहरी इलाकों का लोकप्रिय खेल बन चुका है। युवाओं को नशे से दूर रखने भी ऐसे आयोजनों से बड़ी उपलब्धि मिलती है। यहां पर दोनों ही टीमों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए लोगों का भरपूर मनोरंजन किया है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य

अतिथि श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष शफी अहमद समेत अन्य अतिथियों क्रमशः जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव, नरसिंह नारायण सिंह, चंदन सिंह, विकास सिंह, जनपद सदस्य अनिता सुरेश सिरदार, सरपंच क्रमशः कौशल्या, विमला सिंह, मनोज सिरदार, भंवर लाल, माखन जायसवाल, रूपदास महंत, राम बहादुर लांबा, अशोक मिश्रा, वेद प्रकाश मिश्र, निर्मल साहू, शमीम पलिहा, राजेंद्र गवाटिया, रूपनारायण राजवाड़े, अरविंद सिंह, चुनेश्वर सिंह का स्वागत किया। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा फाइनल मैच खेलने वाले उत्तराखंड व फॉरेस्ट छत्तीसगढ़ की टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का शुरुआत कराया। यहां पर कड़े रोमांचक मुकाबले में उत्तराखंड टीम ने लगातार दूसरे वर्ष भी पेनाल्टी शूट में 2-1 गोल से विजेता का खिताब हासिल किया। अतिथियों के हाथों विजेता उत्तराखंड टीम को 51 हजार रुपए नगद समेत ट्राफी एवं उपविजेता छत्तीसगढ़ फारेस्ट टीम को 31 हजार रुपए नगद व ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। साथ ही मैन ऑफ द मैच व मैंन ऑफ द सीरीज जैसे अन्य पुरस्कारों का भी वितरण कर सम्मान किया गया। ज्ञात हो कि स्पर्धा में 14 टीमों ने हिस्सा लिया था। आयोजन को सफल बनाने में महेंद्र सिरदार, राजेंद्र कुमार सिरदार, संदीप सिंह, पारस राजवाड़े, संजय प्रताप सिंह, संतोष कुमार, सुरेश कुमार, कामेश थापा, हरिओम, मुकेश जांगड़े, उपसरपंच कौशल राम, वीरचंद सिरदार, नरेंद्र कुमार, हिमांचल सिंह, विनय कुमार, देवगुन राम, भागवत राम, समल साय, प्रतोष कुमार, हुकुम साय, मनीष कुमार, निशांत कुमार, आशा राम व अन्य सक्रिय रहे।

जिले में विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक का हुआ समापन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में जिले के सभी विकासखण्डों में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का भव्य समापन हुआ। ओलंपिक में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

ओलंपिक के अंतर्गत 12 विभिन्न खेल विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिनमें जूनियर एवं सिनियर वर्ग में पंजीकृत 67 हजार 380 प्रतिभागी, जिसमें युवा, किशोर एवं बच्चों ने भाग लेकर खेल भावना, अनुशासन के साथ प्रतिस्पर्धा किया। सरगुजा ओलंपिक ने प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया।

समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिससे खिलाड़ियों में खेलों के प्रति और अधिक उत्साह बढ़ा। जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के युवा खेल के क्षेत्र में प्रतिभा रखते हैं और आने वाले समय में वे राज्य एवं राष्टीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। जहां वैश्विक स्तर पर अनेक प्रसिद्ध खिलाड़ी ग्रामीण अंचलों से निकलकर अंतर्राष्टीय मंच तक पहुँचे हैं और सरगुजा अंचल के युवा भी उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों ने विकासखण्ड स्तर पर चयनित विजेता खिलाड़ियों को आगामी जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए बेहतर प्रदर्शन करने शुभकामनाएं भी दी।

उल्लेखनीय है कि सरगुजा ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम हैं। इससे खिलाड़ियों को मंच मिलता है साथ ही स्वस्थ्य जीवनशैली, अनुशासन और खेल भावना भी विकसित होती है।

डीआरएम ने कई स्टेशनों का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नवपदस्थ डीआरएम राकेश रंजन ने आज अंबिकापुरङ्कअनूपपुर रेल सेक्शन अंतर्गत अंबिकापुर, करंजी एवं कोतमा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। डीआरएम प्रातः दुर्गङ्कअंबिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन में अटैच सैलून के माध्यम से सीधे अंबिकापुर पहुंचे।

अंबिकापुर स्टेशन पहुंचने के बाद डीआरएम ने स्टेशन पर प्रस्तावित प्लेटफॉर्म नंबर 2 एवं 3 के निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर संबंधित अधिकारियों से कारणों की जानकारी ली। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने प्लेटफॉर्म निर्माण कार्य को तत्काल प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्री सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके पश्चात डीआरएम ने अंबिकापुर स्टेशन में निर्माणाधीन पिट लाइन का निरीक्षण किया और अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान वे लगभग एक घंटे से अधिक समय तक स्टेशन परिसर में रुके रहे। डीआरएम ने स्टेशन की पार्किंग व्यवस्था, साफ-सफाई, सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष एवं अन्य यात्री सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन परिसर की नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश अधिकारियों को दिए। अंबिकापुर के बाद डीआरएम स्पाइक वैन के माध्यम से विंडो निरीक्षण करते हुए करंजी स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने बीच में बंद पड़ी कोल साइडिंग की स्थिति की भी जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी से साइडिंग में कोयले की आवक प्रारंभ हो चुकी है तथा 4 फरवरी से रैक के माध्यम से कोयले की आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है।

करंजी स्टेशन के निरीक्षण पश्चात डीआरएम ने कोतमा सहित सेक्शन के अन्य स्टेशनों का भी निरीक्षण कर बिलासपुर मंडल मुख्यालय के लिए रवाना हो गए।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग- कांकेर

क्रमांक / 1455 / व.ले.लि. / ग्रा.यां.से. / 2025–26

कांकेर, दिनांक 02 / 02 / 2026

निविदा संशोधन सूचना

एतद् सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा जारी मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना क्र. 27 / वलेलि / ग्रायासे / 2025–26 कांकेर, दिनांक 27.01.2026 में उल्लेखित कार्य अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य राजा तालाब के पास शीतला मंदिर कांकेर वि.ख. कांकेर का निविदा प्रपत्र का मुल्य 1500.00 को स्थान पर लिपिकी त्रुटि होने के कारण 3000.00 हो गया था। अतः निविदा प्रपत्र का संशोधित मुल्य 1500 पढ़ा जावे। निविदा की शेष शर्ते एवं बिन्दु यथावत रहेगी।

(जी. नंबर 252606320)

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग- कांकेर

जी-252606474/1

गैंगहिस्ट्री में शामिल अपराधी अब सीधेतौर पर पुलिस के राडार पर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। स्वयं, तेवर, केवल नाम से जिले में आपराधिक घटनाओं और गतिविधियों को अंजाम दे रहे बिलासपुर के हिस्ट्रीशीटरों के गैंग का नाम है। पहली बार बिलासपुर पुलिस ने गैंगहिस्ट्री खोली है। जब हिस्ट्री खोल दी है तो आगे ऐसे लोगों पर पुलिस की सख्ती भी सामने आई है। बहरहाल गैंगहिस्ट्री में शामिल अपराधी अब सीधेतौर पर पुलिस के राडार पर आ गए हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने साफतौर पर कहा है, अपराधियों पर हा हाल में सख्त कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। अब तक एक दर्जन से ज्यादा गैंगहिस्ट्री खोली जा चुकी है। यह काम लगातार जारी रहेगा। पुलिस द्वारा तैयार की जा रही इस गैंग हिस्ट्रीशीट में गैंग से जुड़े हर अपराध का पूरा रिकॉर्ड रखा जा रहा है। गैंगहिस्ट्री में गैंग लीडर और इससे जुड़े लोग वर्तमान में क्या काम कर रहे हैं, किस तरह की गतिविधियों में संलिप्त है और मौजूदा ट्रेक रिकॉर्ड क्या है, इसका भी हिसाब रखा जा रहा है। ये बदमाश वर्तमान में किन-किन लोगों के संपर्क में हैं, उनके लिए काम कर रहे हैं या नहीं, किस तरह के लोग अपराधियों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसे महत्वपूर्ण इनपुट गैंगहिस्ट्री में शामिल किया जा रहा है।

गैंग हिस्ट्रीशीटरों के संपर्क में रहने या उसके साथ जुड़ने वालों पर रहेगी कड़ी नजर

पुलिस ने साफ कहा है, गैंग हिस्ट्रीशीटरों के संपर्क में रहने या उसके साथ जुड़ने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ऐसे लोगों के नाम भी जरुरत पड़ने पर गैंग हिस्ट्रीशीट में जोड़ा जाएगा। अब तक जिले में तकरीबन एक दर्जन गैंग हिस्ट्रीशीट खोली जा चुकी हैं। हिस्ट्रीशीट में गैंग के सदस्यों की संख्या 40 के करीब पहुंच चुकी है। पुलिस अफसरों ने बताया, कुछ और ग्रुप भी चिन्हित किए गए हैं, जो या तो सीधे अपराध कर रहे हैं या पर्दे के पीछे से अपराध को अंजाम देने का काम कर रहे हैं।

संगठित अपराध और इससे जुड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे

एसएसपी रजनेश सिंह ने कहा, अपराधी अब अपराध के तरीके बदल रहे हैं, व्यक्तिगत ना होकर संगठित रूप से अपराध को अंजाम दे रहे हैं। हिस्ट्रीशीटरों ने संगठित गिरोह बना लिया है, गिरोह के जरिए अपराध कर रहे हैं। इसके चलते ही गैंग हिस्ट्रीशीट खोली जा रही है। इसमें यह पता चलेगा कि किस गैंग के साथ कितने लोग जुड़े हैं और किस तरह के अपराध कर रहे हैं। एसएसपी रजनेश सिंह ने दोटूक कहा, जो भी व्यक्ति अपराध करेगा या अपराधियों का साथ देगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री करेंगे 6 फरवरी को परीक्षा पे चर्चा

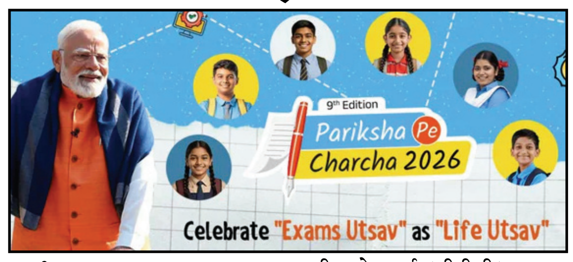

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मकता और समग्र कल्याण की भावना तथा परीक्षा को लेकर भय के वातावरण को दूर करने के उद्देश्य से 06 फरवरी 2026 को विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों से परीक्षा पे चर्चा किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी) 2026 कार्यक्रम 06 फरवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे से जिले के प्रत्येक शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों, विकासखण्ड मुख्यालय तथा जिला मुख्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया (यूट्यूब, फेसबुक लाइव), दूरदर्शन, रेडिया चैनलों और विभिन्न ओटीटी प्लेटफार्म आदि पर किया जाएगा।

सहायक ग्रेड-03 के 02 पद हेतु कौशल परीक्षा 07 को

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिला खनिज संस्थान न्यास सरगुजा अंतर्गत सहायक ग्रेड-03 (संविदा) के 02 पदों हेतु अहतार्धारी अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किया गया था। उक्त प्रक्रिया अंतर्गत लिखित परीक्षा 03 फरवरी 2026 को आयोजित की गई थी। परीक्षा में पात्र 38 अभ्यर्थियों में से 10 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे शेष 28 अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा में प्रतिभागिता की गई। प्रतिभागी 28 अभ्यर्थियों में से 15 अभ्यर्थी उत्तीर्ण तथा 13 अनुत्तीर्ण हुए। इसका प्रकाशन जिले के वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचना पटल में किया गया है। जिले के अपर कलेक्टर ने बताया लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों हेतु कौशल परीक्षा का आयोजन जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी के पर्यवेक्षण में 07 फरवरी को दोपहर 12 बजे लाईवलीहुड कॉलेज गांधी चौक अंबिकापुर में किया गया है। लिखित परीक्षा में केवल उत्तीर्ण अभ्यर्थी ही सम्मिलित हो सकेंगे। उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को कौशल परीक्षा हेतु पृथक से कोई सूचना नहीं दी जाएगी। कौशल परीक्षा की अवधि 30 मिनट होगा, कौशल परीक्षा हेतु निर्धारित अंक 30 है।

परीक्षा हेतु आवश्यक निर्देश

अभ्यर्थी अपने साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केन्द्र में लाना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी को परीक्षा हॉल में मोबाइल फोन या अन्य कोई ऐसी वस्तु जिसमें परीक्षा हेतु व्यक्तिगत लाभ हो सकता है, साथ में रखना वर्जित रहेगा। परीक्षार्थी निर्धारित समय से आधा घण्टा पूर्व परीक्षा स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। विस्तृत जानकारी हेतु जिले के वेबसाइट का निरंतर अवलोकन करने कहा गया है

बाल विवाह मुक्त निकाय घोषित किए जाने प्राप्त प्रस्तावों पर दावा आपत्ति आमंत्रित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेर्शानुसार ऐसे ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय जहां विगत दो वर्षों में बाल विवाह का कोई भी प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है, उन्हें बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत/नगरीय निकाय घोषित किया जाना है। सरगुजा जिले की कुल 439 ग्राम पंचायतों में से 360 ग्राम पंचायतों तथा 02 नगर पंचायतों लखनपुर एवं सीतापुर से विगत दो वर्षों में बाल विवाह का प्रकरण नहीं होने सम्बंधी प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन ग्राम पंचायतों एवं नगर पंचायतों को बाल विवाह मुक्त घोषित कर प्रमाण पत्र जारी किया जाना है। उन्होंने इस संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो अथवा किसी बाल विवाह प्रकरण की जानकारी हो, तो 07 दिवस की समय-सीमा के भीतर कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, कलेक्ट्रेट परिसर, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा में कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित रूप में दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। ग्राम पंचायतों के सूची विभाग के सूचना पटल पर व जिले की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

सीएसपीडीसीएल द्वारा संभागस्तरीय समारोह में विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। रजत जयंती वर्ष 2025-26 के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा गुरुवार को संभाग स्तर पर सरगंवा उपकेन्द्र में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, श्रीमती अनिमा करकेट्टा, शिवभरोस बेक, अधीक्षण अभियंता के.एन.सिंह, कार्यपालन अभियंता श्री रोशन नागवंशी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्युत विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही पी.एम. सूर्य घर योजना के बारे में लोगों विस्तारपूर्वक बताया गया तथा योजना का लाभ लेने प्रोत्साहित किया गया।

इस दौरान बी.पी. एल. श्रेणी के पांच उपभोक्ता जिन्होंने पिछले 2 वर्षों से निर्धारित यूनिट का खपत किया हो, घरेलू 5 उपभोक्ताओं को जिन्होंने पिछले 2 वर्षों में बिना पिछली बकाया राशि के नियमित रूप से विद्युत देयक का भुगतान किया हो, कृषक जीवन ज्योति के पांच उपभोक्ता एवं पी.एम. सूर्य घर योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं में से पांच लाभार्थी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक गुणवत्ता और छात्रहित पर जोर, शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार झा ने विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक कार्यों की समयबद्धता तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया हैं। जारी निदेर्शों में शैक्षणिक सत्र के शेष समय का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है। निदेर्शानुसार सभी विद्यालयों में पाठ्यक्रम पूर्ण कराते हुए अनिवार्य रूप से पुनरावृत्ति, मॉक टेस्ट तथा अनसॉल्व्ड प्रश्नपत्रों का लिखित अभ्यास कराया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी सुदृढ़ हो सके। बोर्ड परीक्षाओं वाले विद्यालयों को विशेष तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। विद्यार्थियों के लिए अपार आईडी का शत-प्रतिशत निर्माण अनिवार्य किया गया है। इसे अंकसूची और स्थानांतरण प्रमाण पत्र में दर्ज करना भी आवश्यक है। उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताया गया है। साथ ही छात्रवृत्ति संबंधी कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने और यू-डाइस डाटा एंट्री की शुद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्यालयों में पुस्तकालय, रीडिंग रूम एवं न्यूज डेस्क का नियमित उपयोग सुनिश्चित कराने तथा प्रार्थना सभा के बाद सामान्य ज्ञान चर्चा की परंपरा विकसित करने पर भी बल दिया गया है। विद्यालय परिसरों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के रख-रखाव को विद्यार्थियों के स्वस्थ मानसिक विकास से जोड़ा गया है। प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों को डीईएफ एवं इनऑपरेटिव खातों की स्थिति स्पष्ट कर आवश्यक कार्रवाई करने, सेवा पुस्तिका और ऑनलाइन रिकॉर्ड अद्यतन एवं सत्यापित करने तथा संबंधित कर्मचारियों को इसकी जानकारी देने के निर्देश दिए गए हैं। जहां 10 या अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक समिति का गठन अनिवार्य बताया गया है। समिति का गठन नहीं करने पर आर्थिक दंड का प्रावधान है। विद्यालयों में डिजिटल शिक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएम ई-विद्या एप के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को रुचिकर और प्रभावी अध्ययन में सहायता मिलेगी। निदेर्शों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देने, सकारात्मक और सुरक्षित कार्य वातावरण तैयार करने तथा सामूहिक सहभागिता बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई है। साथ ही राष्ट्रीय महत्व के कार्यों में विभागीय सहयोग देने और संस्थानों को आदर्श बनाने का आह्वान किया गया है। जारी संदेश में विश्वास व्यक्त किया गया है कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों को अवसर मानते हुए उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करेंगे।

नव निर्मित पुलिस सहायता केंद्र टुमुर्की का एसपी अशोक मीणा ने फीता काट कर किया उदघाटन

शाहाबाद(हरदोई)। जनपद में पुलिस व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए और पीड़ितों को त्वरित न्याय के क्रम में मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम टुमुर्की में नव निर्मित पुलिस सहायता केंद्र का एसपी अशोक कुमार मीणा ने उद्घाटन कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर एसपी श्री मीणा ने कहा जनपद में अपराध और अपराधियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कड़े कदम उठाये जा रहे हैं। आम जनमानस की सहूलियत और सुरक्षा के लिए मझिला थाना छेत्र के ग्राम टुमुर्की में पुलिस पिकेट की जगह नए पुलिस सहायता केंद्र का निर्माण करवाया गया है।

शासकीय सेवकों का डाटा कार्मिक संपदा के चेकर से 15 फरवरी तक वेरीफाई करवाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी ने बताया कि पूर्व में संचालनालय कोष एवं लेखा द्वारा समस्त शासकीय सेवकों के ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश जारी किए गए हैं, इसके तहत विभाग के अधीनस्थ समस्त शासकीय सेवकों का प्रोफाइल एम्प्लाई कार्नर पोर्टल के उपयोग हेतु जारी मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ई-केवाईसी अपडेशन का कार्य पूर्ण होने के पश्चात कार्मिक संपदा के चेकर से वेरीफाई किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सर्व आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पत्र जारी करके कहा है कि कुछ विभागों में कर्मचारियों के डाटा को कार्मिक संपदा के चेकर से वेरीफाई नहीं किया गया है, जिस कारण कर्मचारियों द्वारा दी गई जानकारी की सत्यता प्रमाणित नहीं होती है। इसलिए अपने कार्यालय के समस्त कर्मचारियों के डाटा को कार्मिक संपदा के चेकर से वेरीफाई अनिवार्य रूप से करने कहा गया है।

13 से तीन दिवसीय मैनपाट का होगा भव्य आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। 13, 14 एवं 15 फरवरी को मैनपाट में रोपाखार जलाशय के समीप प्रस्तावित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 की तैयारियों की समीक्षा हेतु कलेक्टर अजीत वसंत ने गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विभागीय स्टॉल, मेले की व्यवस्था, जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों हेतु व्यवस्था, आमंत्रित एवं स्थानीय कलाकारों हेतु समुचित व्यवस्था, मंचीय व्यवस्था, बैठक व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कलेक्टर वसंत ने कहा कि पूरे आयोजन में कड़ी कानून व्यवस्था रहे। विभिन्न स्थानों पर चेकिंग पॉइंट बनाए जाएं, वाहनों की जांच के साथ हेलमेट अनिवार्य हो। उन्होंने आमंत्रण पत्र, वाहन पास, अधिकारी- कर्मचारियों के पास निर्माण, मुख्य मार्गों एवं कार्यक्रम स्थल में ब्रांडिंग आदि की जानकारी ली। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को कहा कि एनसीसी एवं एनएसएस के विद्यार्थियों को कार्यक्रम स्थल में वॉलेंटियर के रूप में दायित्व सौंपे जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने सभी तैयारियां किए जाने निर्देशित किया। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल, अपर कलेक्टर अमृत लाल ध्रुव, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व

मैनपाट महोत्सव की आवश्यक तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सरगुजा श्री विनय कुमार अग्रवाल एवं सहायक नोडल अधिकारी आदिवासी विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. ललित शुक्ला एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व) सीतापुर रामसिंह ठाकुर होंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल को पार्किंग, वाहन व्यवस्था, ट्रैफिक रूट चार्ट, कानून व्यवस्था। अपर कलेक्टर सुनील कुमार नायक को लॉ एण्ड आर्डर हेतु प्रभारी अधिकारी एवं मंचीय नोडल अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार मंचीय व्यवस्था, आमंत्रण कार्ड, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बैठक व्यवस्था, आवागमन एवं सत्कार, भोजन व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधा, विभागीय स्टॉल, साज-सज्जा, प्रोटोकॉल व्यवस्था, रेस्ट हाउस एवं सर्किट हाउस, हेलीपैड की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए नोडल तथा सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

परमात्मा की शरण में जाने से मनुष्य के तीनों तापों का हो जाते है नष्ट- देवी माहेश्वरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गुरसरांय। दिव्य प्रेम सेवा मिशन झांसी अंचल के तत्वावधान में आयोजित बुन्देलखण्ड कुरैठा महोत्सव में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत के दूसरे दिन वृन्दावन धाम से पधारीं कथा वाचिका साधना श्रीजी (देवी महेश्वरी) ने भागवत के मंगलाचरण की व्याख्या करते हुए कहा कि भागवत में सत्य की वंदना की गई है। भागवत के मंगलाचरण में किसी देवी देवता का नाम नहीं लिया गया और केवल परमात्मा ही सत्य स्वरूप है। इसलिए ऐसे सत्य स्वरूप परमात्मा की शरण में जाने से मनुष्य के जीवन के तीनों ताप नष्ट हो जाते हैं। उन्होंने कहा श्रीमद् भागवत कथा समस्त तापों को नष्ट करने वाली है। आज का प्राणी दैहिक दैविक एवं भौतिक तापों में तप रहा है। यह संसार दुखालय है और सुख केवल परमात्मा की शरण में है, इसलिए जो परमात्मा की शरण ग्रहण करता है उसके जीवन के समस्त ताप नष्ट हो जाते हैं। बुन्देलखण्ड कुरैठा महोत्सव के दूसरे दिन राष्ट्रीय महासचिव श्री पंच अग्नि अखाड़ा पूज्यपाद सोमेश्वरानंद जी महाराज ने पहुंचकर व्यास पीठ पर पुष्प अर्पित किए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा ने कहा कि बुन्देलखण्ड कुरैठा महोत्सव में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने से ग्रामीण क्षेत्र में भी जागृति आयेगी। लोगों के मनोविकारों को दूर करने की औषधि कथा है। श्रीमद्भागवत कथा की आरती कर व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त करने वाले पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम, रामनरेश तिवारी राष्ट्रीय मंत्री किसान मोर्चा, पूर्व एमएलसी श्याम सुंदर सिंह पारीछा, पंकज सिंह दिल्ली, अभिमन्यु सिंह नंदी गांव, राजकान्तेश वर्मा ब्लाक प्रमुख चिरगांव, प्रभात पटैरिया एडवोकेट शामिल रहे। आये हुये अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम के संयोजक डा जगदीश सिंह चौहान एवं अपर्णा वीरांगना राष्ट्रीय संयोजक मातृ शक्ति ने किया तथा संचालन झांसी अंचल के सह संयोजक बद्री प्रसाद त्रिपाठी ने किया। भागवत कथा के यजमान संध्या जितेन्द्र सिंह परिहार रहे। इस अवसर पर अवधेश प्रताप सिंह चौहान, अनिरुद्ध सिंह, रामनारायण पस्तोर, गोविन्द प्रताप सिंह, नीरज शर्मा, सत्यम सिंह सेंगर, शिवशंकर सिंह, प्रभात पटैरिया, अशोक मिश्रा, मानवेन्द्र सिंह माना प्रधान, नाती राजा भदौरिया, चन्द्रभान सिंह ब्लाक प्रमुख बामौर, सत्य प्रकाश तिवारी, रामप्रकाश सिंह चौहान, बबलू चौहान, योगेश प्रताप सिंह चौहान, कल्याण सिंह, विजय त्रिपाठी, अजय प्रताप सिंह, रितिक सिंह, सुयश प्रताप सिंह चौहान, गोल्डी चंदेल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

संसद की गरिमा बनाए रखना सबका दायित्व

लोकसभा में कांग्रेस सांसद एवं नेता विपक्ष राहुल गांधी के हालिया भाषण के दौरान हुआ हंगामा केवल एक राजनीतिक टकराव नहीं था, बल्कि इसने संसद की गरिमा, नियमों की मर्यादा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों को फिर से केंद्र में ला खड़ा किया। नेता प्रतिपक्ष द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित पुस्तक 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' के हवाले से चीन की घुसपैठ का जिक्र किए जाने पर सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया, जिसके बाद सदन में व्यवस्था बाधित हुई। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है। यहां सत्ता और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है कि वे न केवल अपनी बात मजबूती से रखें, बल्कि स्थापित नियमों, गरिमा और परंपराओं का भी पालन करें। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों पर चर्चा अत्यंत संवेदनशील होती है। ऐसे में किसी अप्रकाशित पुस्तक या लीक अंशों के आधार पर बयान देना स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि अप्रकाशित सामग्री का हवाला देना सदन के नियमों के खिलाफ है, प्रक्रियात्मक दृष्टि से उचित माना जा सकता है। वहीं, दूसरी ओर, विपक्ष का तर्क भी पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। यदि किसी प्रतिष्ठित पूर्व सैन्य अधिकारी के कथित अनुभवों के आधार पर सरकार की नीतियों और निर्णयों पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो उन सवालों को सुनना भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। अखिलेश यादव का यह कहना कि चीन से जुड़ा मामला देश की सुरक्षा से संबंधित है और उस पर चर्चा होनी चाहिए, विपक्षी दृष्टिकोण को दर्शाता है। असल समस्या यहां "स्रोत की प्रमाणिकता" बनाम "मुद्दे की गंभीरता" की है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बार-बार नियमों का हवाला देते हुए राहुल को संयम बरतने की सलाह दी। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे जो भी तथ्य सदन में रखें, वे निर्विवाद और आधिकारिक हों। प्रियंका गांधी के उदाहरण का उल्लेख कर स्पीकर ने स्पष्ट संकेत दिया कि तथ्य यदि प्रमाणिक हों, तो उन्हें रखने में कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। चीन की घुसपैठ, रेजांग ला, रेचिन ला की घटनाएं और 2020 के तनावपूर्ण हालात देश पहले ही देख चुका है। ऐसे में यदि कोई बयान सेना और सरकार के बीच संवाद को लेकर संदेह पैदा करता है, तो उसका प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक भी हो सकता है। इसी कारण सत्ता पक्ष का यह आग्रह कि ऐसी बातों को सार्वजनिक मंच पर कहने से पहले पूरी तरह सत्यापित किया जाए, समझ में आता है। अग्निवीर योजना को लेकर नरवणे के कथित विचारों का जिक्र भी विवाद का एक अहम बिंदु रहा, लेकिन फिर वही सवाल कि क्या ऐसे दावे आधिकारिक रूप से उपलब्ध हैं, या केवल लीक अंशों और लेखों पर आधारित हैं? संसद में बहस भावनाओं से नहीं, तथ्यों से चलनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम से एक बात साफ है संसद की गरिमा बनाए रखना केवल स्पीकर या सत्ता पक्ष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन उसके साथ मर्यादा और नियमों का पालन अनिवार्य है। अंततः, संसद का उद्देश्य हंगामा नहीं, समाधान है। राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर राजनीति से ऊपर उठकर गंभीर, तथ्यपरक और जिम्मेदार चर्चा की आवश्यकता है। तभी संसद अपनी गरिमा बनाए रख सकेगी और लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी।

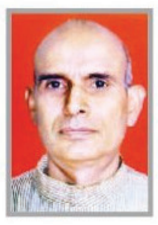

चर्चा

अखिलेश आर्यन्दु

वेनेजुएला-भारत संबंध नई ऊंचाई पर

> नरेन्द्र मोदी द्वारा वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से टेलीफोन पर हुई बातचीत चर्चा का विषय बन गई है। जाहिर तौर पर इस वार्ता के बाद सहमतियों को देखते हुए, यह माना जाने लगा है कि इसका परोक्ष असर भारत का रूस पर तेल निर्भरता कम होने के रूप में हो सकता है। यह भी माना जा रहा है कि इससे अमेरिका से व्यापारिक दबाव कम करने और ग्लोबल साउथ में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत करने में भारत को सहूलियत होगी। वहीं, इस वार्ता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी से एअर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अब भारत ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा।

विश्व के बदलते परिदृश्य के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से टेलीफोन पर हुई बातचीत चर्चा का विषय बन गई है। इसकी अधिक चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि अमेरिका द्वारा वहां के पूर्व राष्ट्रपति को बंधक बनाकर अमेरिकी जेल में डालने (और दुनिया के तमाम देशों द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप की इस दबंगई की निंदा) के बाद यह माना जा रहा था कि शायद ट्रंप का अगला कदम ग्रीनलैंड पर कब्जा करना हो सकता है। अभी तक भारत इंतजार करो और देखो की नीति (भूमिका) अपनाए हुए था। ऐसे में अचानक वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति से विस्तार से वार्ता पर अमेरिका सहित दुनिया के तमाम देशों की निगाहें टिकी हैं। चर्चा यह भी हो रही है कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका को इस वार्ता के जरिए अपना रुख साफ कर दिया है। गौरतलब है कि इस टेलीफोन वार्ता ने वैश्विक ऊर्जा राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

वार्ता मुख्यतः तेल और उसकी धार पर आधारित होने की वजह से भारत को तेल निर्यात करने वाले देश इस वार्ता के बाद भारत के अगले कदम की प्रतीक्षा करने लगे हैं। खासकर रूस और अरब देश। यह वार्ता कई मायने में खास मानी जा रही है। जाहिर तौर पर इस वार्ता के बाद सहमतियों को देखते हुए, यह माना जाने लगा है कि इसका परोक्ष असर भारत का रूस पर तेल निर्भरता कम होने के रूप में हो सकता है। यह भी माना जा रहा है कि इससे अमेरिका से व्यापारिक दबाव कम करने और ग्लोबल साउथ में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत करने में भारत को सहूलियत होगी। वहीं, इस वार्ता के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी से एअर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि अब भारत ईरान से कच्चा तेल खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। यह भी दावा किया कि अब भारत ने वेनेजुएला से तेल खरीदने का सौदा कर लिया है। गौरतलब है भारत ने 2019 से वेनेजुएला से तेल खरीदना बंद कर दिया था। यह वह दौर था जब अमेरिका ने वेनेजुएला पर बहुत कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। अमेरिका ने सेकेंडरी सेंक्शंस भी लगा दिए थे, यानी जो भी देश वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, उसे अमेरिकी बाजार में व्यापार करने या बैंकिंग सुविधाओं से रोक दिया जाएगा। भारत भी वेनेजुएला से 2019 के पहले अपने तेल आयात का 6 प्रतिशत तेल खरीदता था, लेकिन अमेरिका के जरिए वेनेजुएला पर लगाए प्रतिबंध के बाद उसे अपनी तेल आयात नीति में बदलाव करना पड़ा था। अब फिर दोनों देशों में संशोधित नीति के तहत भारत ने अपनी पुरानी नीति को आगे बढ़ाते हुए 30 जनवरी 2026 को तेल खरीदने पर एक नई सहमति बनी है। वैसे भारत ने 2024 में अमेरिका ने वेनेजुएला पर लगाए प्रतिबंध कुछ ढीले किए तो 2023-24 में पुनः तेल खीदना शुरू किया था, लेकिन यह खरीदारी बहुत मामूली थी। तेल के आयात में लगातार वृद्धि होती रही, जो 2025 में बढ़कर तकरीबन 1.41 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह वह दौर था जब अमेरिका की नज़र वेनेजुएला पर तिरछी नहीं हुई थी। मई 2025 में अमेरिका ने एक बार फिर वेनेजुएला पर सख्ती बढ़ा दी, तब भारत ने वेनेजुएला से तेल का आयात कम कर दिया। भारत की तेल कंपनियां बगैर अमेरिका से अनुमति लिए वेनेजुएला से सीधे तेल नहीं

खरीद सकतीं। इसलिए भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस ने अमेरिका के यूएस स्टेट डिपार्मेंट और यूएस ट्रेजरी डिपार्मेंट से बातचीत करना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि 2025 में रिलायंस ने वेनेजुएला से 63,000 बेरल तेल खरीदा था। मार्च 2025 के बाद अमेरिका ने तेल खरीदने का मिला लाइसेंस रद्द कर दिया और वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी-भरकम टैरिफ थोपने की धमकी दी। इसका असर यह हुआ कि मई 2025 के बाद वेनेजुएला से कोई तेल का जहाज भारत के लिए रवाना नहीं हुआ।

अब अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की तेल रिफाइनरियों पर अमेरिका का कब्जा है। ट्रंप अब खुलकर बोलने लगे हैं कि बगैर उसकी अनुमति के कोई भी देश वेनेजुएला से तेल नहीं खरीदेगा। यदि कोई देश वेनेजुएला से तेल खरीदता है तो उसकी रकम अमेरिका ही वसूल करेगा। ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया है कि वेनेजुएला की राष्ट्रपति अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल तेल सौंपेंगी और उस तेल को अमेरिका दुनिया के बाजार भाव से बेचेगा। यानी तेल की हर बूंद पर अमेरिका अपने कब्जे में लेना चाहता है। सवाल यह है कि क्या भारत-वेनेजुएला की ताजा सहमति (डील) तेल को लेकर बनी है, वह अमेरिकी राष्ट्रपति की सहमति से हुई है? यह सवाल इसलिए वाजिब लग रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि 5 करोड़ बैरल तेल से हुई आय का इस्तेमाल वेनेजुएला-अमेरिका के लोगों के कल्याण के लिए किया जाएगा। इसी के साथ सवाल यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति कैसे तय करेंगे कि वेनेजुएला के लोगों का कल्याण या जरूरत किस तरह की है? भारत वेनेजुएला से आयातित तेल का पैसा किसे सौंपेगा-वेनेजुएला को, या अमेरिका को? यदि अमेरिका को तेल की रकम भारत सौंपता है तो इसका मतलब वेनेजुएला से तेल के संबंध में मोदी और वेनेजुएला की राष्ट्रपति से बातचीत का कोई मायने समझ में नहीं आता है। इसलिए वेनेजुएला के हालात जब तक सामान्य न हो जाएं, तब तक वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत के लिए कितना फायदेमंद रहेगा, इस पर विचार करने की बेहद जरूरत है।

तेल आयात से निकल कर यदि हम वेनेजुएला से हुई बातचीत से निकले निष्कर्ष पर नजर डालें तो पाएंगे कि दोनों देश के प्रमुखों ने ऊर्जा, कृषि, विज्ञान, प्रोद्यौगिकी, तकनीक, उद्योग, माइनिंग, पर्यटन और आटोमोटिव सेक्टर्स पर विस्तार से चर्चा की। इन्हें 2026 में आगे बढ़ाने पर सहमति भी दिखाई देती है, लेकिन सवाल यह है कि जब तक ट्रंप की कूटनीति साफ नहीं होती और अचानक कुछ भी निर्णय लेने और जबरन भारत या वेनेजुएला पर थोपने का उनका संशय बना रहेगा, तब तक इन सहमतियों पर निर्भीकता के साथ क्या आगे बढ़ना आसान होगा? वेनेजुएला-भारत की हुई सहमतियों को खारिज कर अमेरिका अपनी धमकी वाली नीति लागू कर दे, कौन जानता है? हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने पर किस तरह ट्रंप टैरिफ सहित किस तरह की धमकियां भारत को देते रहे हैं। भारत की यह नई पहल मामूली नहीं है, ट्रंप यह क्यों चाहेंगे कि भारत सीधे वेनेजुएला से सभी सरह के व्यापारिक हित साधे और उसे नजरअंदाज करे। क्या भारत को वेनेजुएला से आपसी सामरिक हितों की बात करते हुए यह साफ करने की जरूरत नहीं है कि नई सहमतियों को आगे बढ़ाने में संभावित बाधाओं से कैसे पार पाया जाएगा? क्योंकि अमेरिका अभी तेल सहित तमाम मुद्दों पर भारत के हर कदम को अपने निजी हितों से जोड़कर देखेगा, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति को अधिकार देने और उक्त पद पर बिठाने की जैसी नीति अमेरिका की अभी तक रही है, वह तेल देखो और तेल की धार देखो के इर्द-गिर्द रही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

सुनील कुमार महला

मीर तकी मीर : दर्द को गीत बनाने वाला शायर

साहित्यकार, उर्दू साहित्य के महानतम शायर मीर तकी मीर (1723–1810) का 3 फरवरी को जन्मदिन मनाया जाता है। मीर तकी मीर सिर्फ़ ग़ज़ल के शायर नहीं थे, वे अपने समय की टूटी हुई रूह की आवाज़ थे। मीर उर्दू ग़ज़ल को शिखर तक पहुंचाने वाले बड़े कवि थे। पाठकों को बताता चलूं कि उन्हें 'ख़ुदा-ए-सुख़न' यानी कि शायरी का ख़ुदा/ भगवान कहा जाता है। उनकी शायरी में दर्द, मोहब्बत, तन्हाई और मानवीय संवेदना गहराई से झलकती है। उर्दू ही नहीं, फ़ारसी भाषा पर भी उनकी मज़बूत पकड़ थी। मीर को उर्दू के उस प्रचलन के लिए याद किया जाता है जिसमें फ़ारसी और हिन्दुस्तानी के शब्दों का अच्छा मिश्रण और सामंजस्य हो। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उनका जन्म आगरा में तथा मृत्यु लखनऊ में हुई।

मीर तक़ी मीर को उर्दू में शेर कहने का प्रोत्साहन अमरोहा के सैयद सआदत अली ने दिया। उनका मूल नाम मोहम्मद तकी था। उनकी प्रमुख कृतियों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः ज़िक्र-ए-मीर (आत्मकथा), कुल्लीयते-मीर (उर्दू रचनाओं के छह दीवानों का संग्रह), कुल्लीयते-फ़ारसी (फ़ारसी रचनाओं का संग्रह), फ़ैज़-ए-मीर (पांच कहानियों का संग्रह), नुकत-उस-शूरा (फ़ारसी ज़बान में लिखी तत्कालीन उर्दु रचनाकारों की जीवनियां) आदि को शामिल किया जाता है। वैसे, वे 'दर्द के शायर' कहलाते हैं। दरअसल, मीर की ज़िंदगी मुफ़लिसी (गरीबी), अपनों को खोने के गम और दिल्ली की बर्बादी को देखने में गुजरी। यही वजह है कि उनकी शायरी में 'हूक' और 'टीस' महसूस होती है। उन्होंने खुद एक बार यह कहा था-'मुझको शायर न कहो मीर कि साहब मैंने, कितने ग़म जमा किए तो दीवान किया।' कहना ग़लत नहीं होगा कि दिल्ली के उजड़ने, परिवार की मौतों, गरीबी और बेघर होने ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया था। उनकी शायरी दरअसल आत्मकथा की पंक्तियां हैं। उनकी यह पंक्ति देखिए-'पत्थर की भीत क्या करूं, आंसू जो ढल गए।' गौरतलब है कि नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली के हमलों के बाद दिल्ली उजड़ चुकी थी। मीर ने दिल्ली छोड़कर लखनऊ जाना तो स्वीकार किया, लेकिन वे वहां दिल से कभी बस नहीं पाए। मीर की सबसे बड़ी खूबी उनकी भाषा थी। वास्तव में, वे बहुत ही आसान शब्दों में दिल की गहरी बात कह देते थे। इसे तकनीकी भाषा में 'सहल़-ए-मुमतऩा' कहा जाता है-यानी ऐसी चीज़ जो देखने में आसान लगे, पर उसे दोबारा लिखना नामुमकिन हो। महान शायर मिर्जा ग़ालिब भी उनके कायल थे। सच तो यह है कि ग़ालिब ने मीर को अपना उस्ताद माना।

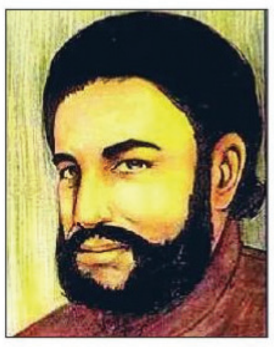

ग़ालिब जैसे आत्मविश्वासी शायर ने कहा-' रेख़्ते के तुम ही उस्ताद नहीं हो ग़ालिब, कहते हैं अगले ज़माने में कोई मीर भी था।' वास्तव में यह मीर की श्रेष्ठता की सबसे बड़ी गवाही है। मोहब्बत की कैफियत को बयां करते हुए उन्होंने कहा था-'इब्तिदा-ए-इश्क़ है रोता है क्या, आगे-आगे देखिए होता है क्या।' 'हस्ती अपनी हबाब की सी है, ये नुमाइश सराब की सी है।', 'नाज़ुकी उसके लब की क्या कहिए, पंखुड़ी एक गुलाब की सी है।', 'मीर उन नीम-बाज़ आंखों में, सारी मस्ती शराब की सी है।' उनकी कुछ अमर पंक्तियों में से एक हैं। आत्म स्वीकृति के बारे में एक बार उन्होंने कहा था -'शायर मुझमें और भी हैं, पर मीर का मुक़ाबला कौन करे।' मीर सिर्फ़ उर्दू ग़ज़ल के शायर ही नहीं, बल्कि अपने समय के टूटे हुए समाज, उजड़ती दिल्ली और बिखरते इंसान की संवेदनाओं के सच्चे दस्तावेज़ हैं।

उनकी शायरी में बनावटी सौंदर्य नजर नहीं आता है। वास्तव में उनकी शायरी जीवन के गहरे ज़ख़्मों से निकली हुई सच्चाई है। अपने जीवन में निजी दुख, मानसिक पीड़ा, गरीबी और उपेक्षा के बावजूद मीर ने उर्दू और फ़ारसी भाषा को आम आदमी के दिल तक पहुंचाया और ग़ज़ल को आत्मा की आवाज़ बना दिया। उनका दर्द रचना है। अन्य शायरों की तरह वे कभी शोर नहीं करते, बल्कि रचनाओं में फुसफुसाते हैं और उनकी वही फुसफुसाहट सदियों बाद भी पाठकों के दिल में उतर जाती है। इसलिए मीर को पढ़ना सिर्फ़ साहित्य का अनुभव नहीं, बल्कि इंसान होने का अनुभव है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हड़बड़ी न करें, क्योंकि धैर्य का फल हमेशा मीठा होता है!

संकलित

दर्शन

किसी गुरुकुल में गुरुदेव बालकों को बाण चलाना सिखा रहे थे। एक अतिउत्साही शिष्य ने धनुष को इतनी जोर से खींचा कि उसके दो टुकड़े हो गए। गुरुदेव ने शिष्य को ज्ञान दिया कि अधीरता से योग्यता अपव्यय हो जाती है। लक्ष्य को भेदने के लिए जितनी ऊर्जा की आवश्यकता है उससे अधिक या कम ऊर्जा का प्रयोग करने पर लक्ष्य को साधना असंभव है। हमारा जीवन भी एक धनुष के समान है। यदि धैर्यपूर्वक ऊर्जा को धीरे-धीरे संचित करने के बाद नियंत्रण के साथ इसे व्यय करने की कला सीख ली जाए तो लक्ष्य कितनी ही दूरी पर क्यों न हो उसे प्राप्त करना असंभव नहीं है। धैर्य का अर्थ मूक रहकर मात्र प्रतीक्षा करना नहीं है। धैर्य का अर्थ है उत्तेजनारहित होकर अपने कार्य में निरंतर संलग्न रहना। किसी कार्य के प्रति अतिउत्साह अथवा असंयम उक्त कार्य के फल को परिपक्व नहीं होने देता। चाक पर चढ़े कच्चे घड़े को यदि आतुरता में समय से पहले उतार लिया जाए तो उसका आकार विकृत हो जाता है। हमें ऐसा भ्रम हो सकता है कि जीवन में प्रगति इतनी धीमी गति से हो रही है कि कोई परिवर्तन दिखाई नहीं देता। हम परिवर्तन की चाह में धैर्य खो बैठते हैं और शीघ्र सफलता की आकांक्षा में हड़बड़ी में ऐसे निर्णय ले बैठते हैं, जिनसे हमारा भविष्य बिगड़ सकता है। युवाओं में ऊर्जा का अधिक भंडार होता है। यह ऊर्जा उन्हें कार्य को जल्द से जल्द संपादित करके फल प्राप्ति के लिए लालायित करती है। उन्हें इस ऊर्जा का सदुपयोग करना नहीं आता।

अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र है

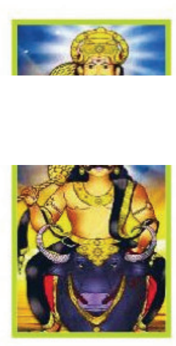

संकलित

प्रेरणा

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। धर्मराज ने दोनों से कहाः मैं अवसर देता हूं, कह सकते हो। डाकू अत्यंत विनम्र शब्दों में बोला महाराजः मैंने जीवन भर पापकर्म किए जिसने केवल पाप ही किया हो वह क्या आशा रखे आप जो दंड दें, मुझे स्वीकार है। डाकू के चुप होते ही साधु बोला महाराजः मैंने आजीवन तपस्या और भक्ति की है मैं कभी असत्य के मार्ग पर नहीं चला। धर्मराज ने दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहाः तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज की यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहाः महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोलेः निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अतः आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो।

शिव प्रतिमा

हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में सोमवार को खिली धूप वाले में धौलाधार रेंज की बर्फ से ढकी चोटी पर भगवान शिव की बन रही मूर्ति।

आज की पाती

शादियों में लुप्त होती लोक संस्कृति

शादियों में अकसर जो लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, अब यह शादियों में कम ही सुनने को मिलते हैं। यही नहीं कुछ समय पहले तक तो शादी तीन-चार दिन तक चलती थी, सभी रिश्तेदार एक साथ मिल बैठते, इससे रिश्तों की डोर मजबूत होती थी। शादियों में ऐसे लोकगीत महिलाओं द्वारा गाए जाते थे, जिनमें लोक सभ्यता, संस्कृति और इतिहास की खुशबू आती थी। लेकिन अफसोस अब हमारी शादियों पर भी पश्चिमी सभ्यता का रंग चढना शुरू हो गया, इस कारण न तो शादियों में वो पुराने लोकगीत सुनने को मिलते और न ही वो खान-पान। अगर हमें अपनी भावी पीढ़ी को रिश्तों की कद्र करना सिखानी है, तो हमें अपनी लोक संस्कृति की विरासत को संभालकर रखना होगा।

\- मिलींद जोशी, बिलासपुर

ट्रेंड

उल्लेखनीय बढ़ोतरी

दिल्ली में केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही योजनाओं के बजट में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हम इस बढ़े हुए प्रावधान का अधिकतम लाभ उठाकर हर योजना को तेज गति से जमीन पर उतारेंगे, ताकि दिल्लीवासियों तक पूरा लाभ पहुंचे और विकसित दिल्ली का निर्माण हो पाए।

\- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

स्वास्थ्य सेवा मॉडल

गोवा को वास्तविक स्वास्थ्य सेवा और ईमानदार सरकार की ज़रूरत है जो इसे लागू कर सके। पोंडा टाउन हॉल में, मैंने बताया कि कैसे आम आदमी पार्टी का सिद्ध स्वास्थ्य सेवा मॉडल हर गोवावासी के लिए आशा और गुणवत्तापूर्ण देखभाल ला सकता है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

प्रदेश से सौतेलापन

देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान का बजट भाषण में कोई मेंशन न होना प्रदेश के साथ हो रहे सौतेलेपन की झलक है। कुल मिलाकर डबल इंजन के बावजूद यह बजट राजस्थान के लिए 'ऊंची दुकान फीका पकवान' साबित हुआ है।

-अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

बजट में नहीं समाधान

मोदी सरकार के पास अब सोच की कमी है, आईडिया खत्म हो गए हैं। आम बजट 2026 भारत की कई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक भी समाधान नहीं देता है।

-मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

रफाह सीमा क्रॉसिंग सीमित आवागमन के लिए फिर खुली

मिस्र और इजराइल के सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि गाजा की मिस्र से सटी रफाह सीमा क्रॉसिंग सीमित आवाजाही के लिए फिर से खोल दी गई है, जो हमास के साथ संघर्षविराम के आगे बढ़ने की दिशा में एक अहम कदम है। मिस्र के एक अधिकारी ने बताया कि क्रॉसिंग को खोले जाने के पहले दिन 50 फलस्तीनी आ-जा सकेंगे, लेकिन इसके खुलने के पहले घंटे में किसी को भी वहां से गुजरते नहीं देखा गया। मिस्र के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता वाले लगभग 20,000 फलस्तीनी बच्चे और वयस्क इस सीमा मार्ग से तबाह गाजा से बाहर निकलने की उम्मीद कर रहे हैं। क्षेत्र से बाहर रहने वाले हजारों अन्य फलस्तीनी भी इस सीमा मार्ग से प्रवेश करने और अपने घर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। मिस्र के सरकारी मीडिया और एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने भी सीमा क्रॉसिंग दोबारा खुलने की पुष्टि की। अधिकारियों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। युद्ध से पहले, रफाह गाजा में आने-जाने वाले लोगों के लिए मुख्य मार्ग था। इस क्षेत्र के कुछ अन्य मार्ग भी हैं जो इजराइल के साथ जुड़ते हैं।

ऑफ बीट

एआई को लिखने और गिनने में क्यों होती है कठिनाई

एआई छवि जनरेटर क्या उत्पादन कर सकते हैं और हम क्या कर सकते हैं, के बीच एक अजीब असमानता बनी हुई है। उदाहरण के लिए, ये उपकरण अक्सर वस्तुओं की गिनती और सटीक पाठ तैयार करने जैसे सरल दिखने वाले कार्यों के लिए संतोषजनक परिणाम नहीं देते हैं। यदि जनरेटिव एआई रचनात्मक अभिव्यक्ति में इतनी अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंच गया है, तो इसे उन कार्यों के साथ संघर्ष क्यों करना पड़ता है जिन्हें एक प्राथमिक विद्यालय का छात्र भी अच्छे से कर सकता है? अंतर्निहित कारणों की खोज से एआई की जटिल संख्यात्मक प्रकृति और इसकी क्षमताओं की बारीकियों पर प्रकाश डालने में मदद मिलती है। लेखन में एआई की सीमाएँ मनुष्य विभिन्न फ़ॉन्ट और लिखावट में लिखे गए पाठ प्रतीकों (जैसे अक्षर, संख्या और चिन्हों) को आसानी से पहचान सकते हैं। हम विभिन्न संदर्भों में भी पाठ तैयार कर सकते हैं, और समझ सकते हैं कि संदर्भ कैसे अर्थ बदल सकता है। वर्तमान एआई छवि जनरेटर में इस अंतर्निहित समझ का अभाव है। उन्हें इस बात की कोई सच्ची समझ नहीं है कि किसी पाठ प्रतीक का क्या मतलब है। ये जनरेटर बड़ी मात्रा में छवि डेटा पर प्रशिक्षित कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क पर बनाए गए हैं, जिससे वे संबंधों को 'सीखते हैं' और भविष्यवाणियां करते हैं।

संक्षेप

गोली मारकर कज्जाफी के बेटे की हत्या

काहिरा। लीबिया के तानाशाह रहे मुअम्मर कज्जाफी के बेटे और कभी उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या कर दी गई। लीबिया के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लीबिया के मुख्य अभियोजक कार्यालय के अनुसार, 53 वर्षीय सैफ अल-इस्लाम कज्जाफी की हत्या राजधानी त्रिपोली से 136 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित जिंटान कस्बे में हुई। अभियोजक कार्यालय ने बताया कि शुरुआती जांच में यह पता चला कि सैफ अल-इस्लाम की हत्या गोली मारकर की गई है। हालांकि कार्यालय ने हत्या की परिस्थितियों के बारे में विस्तार से नहीं बताया। सैफ अल-इस्लाम के वकील खालिद अल-जैदी ने फेसबुक पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की लेकिन हत्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में लंबे समय से जारी संघर्ष को सुलझाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में आयोजित राजनीतिक वार्ता में कज्जाफी का प्रतिनिधित्व करने वाले अब्दुल्लाह ओथमान अब्दुर्हीम ने भी फेसबुक पर उनकी मौत की जानकारी दी। सैफ अल-इस्लाम की राजनीतिक टीम ने बाद में एक बयान जारी करके कहा कि चार नकाबपोश लोगों ने उनके घर पर धावा बोला और कायरों की तरह, छल से उनकी हत्या कर दी।

दो-दिवसीय यात्रा पर मलेशिया जायेंगे मोदी

मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार से मलेशिया की दो-दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जिसका मकसद व्यापार, निवेश, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी।

यह प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी, और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा के दौरान मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। उसने कहा कि मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान 10वां भारत-मलेशिया सीईओ मंच भी आयोजित होगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और मलेशिया के बीच ऐतिहासिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित पुराने संबंध हैं। मंत्रालय ने कहा कि मलेशिया में 29 लाख भारतीय समुदाय की मौजूदगी से यह रिश्ता और मजबूत होता है, जो दुनिया में भारतीय समुदाय की तीसरी सबसे बड़ी मौजूदगी है।

बोइंग 787 विमानों की निगरानी जांच पूरी, ईंधन नियंत्रण स्विच में नहीं मिली खराबी: एयर इंडिया

नयी दिल्ली। एयर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने बेड़े में शामिल बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों के ईंधन नियंत्रण स्विच (एफसीएस) की एहतियाती जांच पूरी कर ली है और इस दौरान कोई समस्या नहीं पाई गई।

लंदन के हीथ्रो से बेंगलुरु की उड़ान के दौरान एक बोइंग-787 विमान के ईंधन स्विच में तकनीकी खराबी आने की रिपोर्ट के बाद यह जांच की गई थी। वर्तमान में एयर इंडिया के बेड़े में 33 बोइंग-787 विमान हैं जिनमें से 28 विमान परिचालन का हिस्सा हैं। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि उसने अपने बेड़े के सभी परिचालन वाले बोइंग 787 विमानों में ईंधन नियंत्रण स्विच की एहतियाती जांच पूरी कर ली है। एयर इंडिया ने कहा जांच के दौरान कोई भी समस्या नहीं पाई गई। हमारे एक पायलट द्वारा दी गई जानकारी के बाद अत्यधिक सावधानी बरतते हुए यह निरीक्षण किया गया था। एयर इंडिया के एक पायलट ने सोमवार को लंदन हीथ्रो से बेंगलुरु की उड़ान संचालित करने के बाद बोइंग 787-8 विमान के ईंधन नियंत्रण स्विच के ठीक से काम न करने की सूचना दी थी। उसके बाद एयरलाइन ने उस विमान को जांच के लिए सेवा से हटा दिया था। ईंधन स्विच के कामकाज पर ध्यान पिछले साल जून में एयर इंडिया के 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद बढ़ गया है।

बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहा है 50 हजार करोड़ का निवेश : मंत्री

पटना। बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने बुधवार को कहा कि वैश्विक गर्मी से बचाव में सौर ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है और लखीसराय जिले के कजरा में स्थापित सौर ऊर्जा परियोजना से राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। कजरा सौर ऊर्जा परियोजना बिहार के ऊर्जा क्षेत्र को नई मजबूती देगी। यह परियोजना केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि हरित ऊर्जा और भविष्य के लिए प्रेरणा का भी स्रोत है। मंत्री ने कहा कि इस दिशा में किया जा रहा निवेश और अपनाई जा रही नीतियां आने वाली पीढ़ियों के लिए सहूलियत और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए ऊर्जा विभाग लगातार मेहनत कर रहा है। यादव ने बताया कि वर्तमान में राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। ऊर्जा मंत्री बिहार स्टेट पावर जेनेरेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा लखीसराय जिले के कजरा में स्थापित 185 मेगावाट सौर ऊर्जा सह 282 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना से उत्पादित बिजली की आपूर्ति के लिए बिजली खरीद करार के अवसर पर बोल रहे थे। आज ऊर्जा विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। बिजली खरीद करार पर हस्ताक्षर के बाद परियोजना के व्यावसायिक संचालन का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित जनसुनवाई के दौरान करीब 3,500 लोगों ने संयंत्र के निर्माण का स्वागत करते हुए अपनी सहमति दी, जो अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है।

जीरो वेस्ट सिटी लखनऊ बना देश के लिए प्रेरणा

लखनऊ। स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में लखनऊ ने एक बार फिर अपनी उपलब्धियों से देशभर में पहचान बनाई है। पहले से ही जीरो नेट वेस्ट सिटी के रूप में स्थापित लखनऊ अब अन्य राज्यों के लिए लर्निंग हब बनता जा रहा है। इसी क्रम में रीजनल सेंटर फॉर अर्बन एंड एनवायरमेंटल स्टडीज की ओर से क्लीन सिटीज एंड सैनिटेशन अचीवमेंट के अंतर्गत लखनऊ में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य से आए विभिन्न नगर निगमों के इंजीनियरों सहित कुल 36 अधिकारियों को लखनऊ नगर निगम के शिवरी वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट का भ्रमण कराया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य लखनऊ में सफलतापूर्वक लागू किए गए वैज्ञानिक वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल को अन्य शहरों तक पहुंचाना रहा, ताकि वे भी अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों में इसे अपनाकर स्वच्छता के स्तर को बेहतर बना सकें। प्रशिक्षण दल का नेतृत्व की जॉइंट डायरेक्टर डॉ. अंजुली मिश्रा एवं डॉक्यूमेंटेशन एक्सपर्ट मिस प्रियंशा सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि लखनऊ नगर निगम द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली आज देश के कई शहरों के लिए उदाहरण बन चुकी है, यही कारण है कि अब बाहर के राज्यों से अधिकारी यहां आकर प्रत्यक्ष रूप से सीख रहे हैं। नगर निगम की ओर से यह संपूर्ण व्यवस्था नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार के निर्देशन तथा अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। शिवरी प्लांट के दौरे के दौरान पर्यावरण अभियंता श्री संजीव प्रधान एवं एसएफआई श्री जितेंद्र वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्लांट की तकनीकी विशेषताओं, उपलब्धियों और संचालन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों को बताया गया कि लखनऊ में फ्रेश वेस्ट का डंपिंग पूरी तरह बंद है और प्रतिदिन निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग व रिसाइक्लिंग की जा रही है। साथ ही वर्षों से जमा लेगेसी वेस्ट के निस्तारण में भी लखनऊ ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि शिवरी डंप साइट पर कभी 18.5 लाख मैट्रिक टन से अधिक लेगेसी वेस्ट जमा था। नगर निगम की ठोस रणनीति और सतत प्रयासों के चलते महज एक वर्ष के भीतर लगभग 17.5 लाख मैट्रिक टन कचरे का सफलतापूर्वक निस्तारण और रिसाइक्लिंग किया जा चुका है।

बच्चों के सामने छलक पड़ता है सीएम योगी का कोमल हृदय

विशेष संवाददाता

- जनसेवा, संवेदना और सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करते हैं मुख्यमंत्री सीएम योगी
- सीएम योगी के पास पहुंच कर बालहठ के साथ निश्छल मन से अपनी बात रखते हैं बच्चे

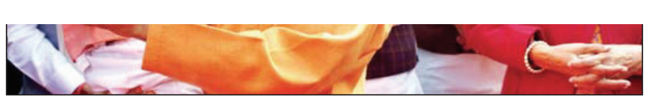

लखनऊ। नर्सरी में एडमिशन कराने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंची मासूम बच्ची की जिद हो या चॉकलेट की मांग करने वाले बच्चों की हठ। जिन मुख्यमंत्री का नाम सुनकर अपराधी कांप उठते हैं, बच्चे उन्हीं से मिलकर सहजता से अपनी जिद मनवा लेते हैं। कहते हैं, बच्चे मन के सच्चे, वे अपने दिल की भावना को अत्यंत निश्छलता से प्रकट कर देते हैं, यही भाव उस समय सामने आया, जब सीएम योगी आदित्यनाथ को देखते ही एक छोटी बच्ची ने उन्हें सैल्यूट किया। सीएम ने भी मुस्कुराते हुए बच्ची को खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए कहा। उनका यह बाल प्रेम उनके कोमल हृदय व सर्वसुलभ होने के साथ-साथ जनसेवा, संवेदना व सुशासन की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री के बच्चों से जुड़ाव और उनके साथ भावनात्मक संवाद के कई दृश्य समय-समय पर सामने आते रहते हैं। विगत सोमवार को जनता दर्शन में मां के साथ आई बच्ची अनाबी अली से सीएम का संवाद इन दिनों चर्चा में है। अपने एडमिशन के लिए जिद, फिर एबीसीडी व कविता सुनाकर अनाबी ने सीएम का दिल जीत लिया। वहीं मकर संक्रांति पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गोरखनाथ मंदिर में एक बच्चे से और क्या चाहिए पूछना और उसका मासूम जवाब सुनकर खिलखिलाकर हंसना भी उनके बालप्रेम को प्रकट करता है। बच्चों से अत्यंत आत्मीयता से संवाद और उनके भविष्य को लेकर त्वरित निर्णय मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता को प्रदर्शित करते हैं।

बीते दिनों जनता दर्शन में दो साल की अनन्या से संवाद भी लोगों के मन को छू गया। इसी तरह 31 दिसंबर को मेजर की बेटी अंजना भट्ट ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपने मकान पर कब्जे की शिकायत की, जिस पर मुख्यमंत्री ने 24 घंटे के भीतर न सिर्फ मकान को कब्जा मुक्त कराया, बल्कि आरोपियों पर एफआईआर व तत्काल गिरफ्तारी भी कराई। यह मामला सीएम की जन समस्याओं के प्रति गंभीरता को प्रकट करते हुए स्पष्ट संदेश देता है कि वे कानून व्यवस्था, बच्चों, महिलाओं और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों का समाधान कराने में तनिक भी विलंब नहीं करते। कानपुर की मूक-बधिर युवती खुशी गुप्ता की कहानी भी इन दिनों हर किसी की जुबां पर है। मुख्यमंत्री से मिलने की उसकी जिद और अकेले पैदल चलकर लखनऊ पहुंचने की जानकारी जब सीएम योगी आदित्यनाथ को मिली तो उन्होंने उसे बुलाकर उसके बनाए चित्रों को स्वीकार किया और उसके शिक्षित-सुरक्षित भविष्य का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के अपनत्व से भाव-विभोर खुशी की अनकही भावनाओं ने 25 करोड़ प्रदेशवासियों के बीच मुख्यमंत्री की प्रदेश ही परिवार धारणा की विश्वसनीय तस्वीर पेश की। जनता दर्शन के जरिए लखनऊ की अनाबी अली, कानपुर की मायरा, गोरखपुर की पंखुड़ी और मुरादाबाद की वाची का स्कूल में एडमिशन कराना भी सीएम योगी की संवेदनशीलता का हिस्सा है। कानपुर की नन्ही मायरा ने कहा था कि मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती हूं। इस पर सीएम ने तत्काल उसका प्रवेश कराने का निर्देश दिया। वाची ने कहा कि मैं पढ़ना चाहती हूं, सीएम ने उसका भी प्रवेश कराया। गोरखपुर की पंखुड़ी की फीस माफ कराने के साथ ही उसे पुनः विद्यालय भेजना भी सुनिश्चित कराया। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में आए बच्चे सीधे सीएम योगी के पास पहुंच गए। सभी ने सीएम के साथ फोटो खिंचवाई, उनसे बातचीत की। सीएम ने उन्हें दुलारा और एक नन्ही बच्ची को गोद में लेकर अपना वात्सल्य भाव प्रकट किया।

मंत्री ने छात्रों को राष्ट्रीय पक्षी मोर के महत्व के बारे में दी जानकारी

नई दिल्ली। ईआईएसीपी कार्यक्रम केंद्र - रिसोर्स पार्टनर (पीसी-आरपी), डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया द्वारा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी), भारत सरकार के सहयोग से द पीकॉक्स कॉलः मिशन लाइफ फॉर ए ग्रीनर टुमॉरो शीर्षक से तीन दिवसीय जागरूकता एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन 3 से 5 फरवरी तक त्रावणकोर हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में किया जा रहा है।

यह कार्यक्रम मिशन लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के अंतर्गत आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर की पारिस्थितिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को उजागर करना है। साथ ही यह सतत जीवनशैली, जैव विविधता संरक्षण और नागरिक-नेतृत्व वाले पर्यावरणीय प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। प्रदर्शनी का उद्घाटन 3 फरवरी को एमओईएफ एंड सीसी के वरिष्ठ अधिकारियों एवं पर्यावरण संरक्षण विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया गया।

बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने प्रतिभागी स्कूली बच्चों से संवाद करने के साथ ही प्रदर्शनी को देखा। उन्होंने मंत्रालय की इस पहल की सराहना की, जो भारत के राष्ट्रीय पक्षी को मिशन लाइफ के सिद्धांतों और जनसहभागिता से जोड़ती है। मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि बच्चों ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मिशन लाइफ के इस कार्यक्रम के माध्यम से सीखा कि किस प्रकार संस्कृति और पारिस्थितिकी मिलकर हरित भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

सपा ने दो पार्षदों के फार्म-7 भरने वाले पर एफआईआर दर्ज कराने की उठायी मांग

लखनऊ। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बुधवार को मांग की है कि फरूर्खाबाद 192 कायमगंज विधान सभा में निर्वाचित वर्तमान दो सभासदों के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से काटने के लिए फार्म-7 भर कर जमा करने वालों तथा फार्म के आवेदकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवा कर उनकी गिरफ्तारी की जाये व फरूर्खाबाद, आजमगढ़, बदायूं, गाजियाबाद, सन्तकबीर नगर, मथुरा, पीलीभीत, मिजार्पुर, गाजीपुर, रायबरेली, मऊ, सोनभद्र सहित प्रदेश के सभी जनपदों व विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के जिलाध्यक्ष, विधायक, पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं द्वारा ड्राफ्ट मतदाता सूची से वैध मतदाताओं के नाम अवैध ढंग से काटने के लिए फार्म-7 लाखों की संख्या में जमा कर दिया गये है, यह सभी फार्म-7 सपा समर्थक वैध मतदाताओं विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय और पीडीए मतदाताओं के हैं, यह सभी मतदाताओं ने गणना प्रपत्र भर कर बीएलओ के पास जमा कर दिये थे। उसके बाद उनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में दर्ज हो गया है और सभी मतदाता दर्ज पते पर स्थाई रूप से निवास कर रहे है। भाजपा द्वारा सपा के लाखों वैध मतदाताओं को अवैध ढंग से काटने की साजिश करने के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाये तथा सभी फार्म-7 तत्काल प्रभाव से निरस्त किये जायें, जिससे एसआईआर प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष सम्पन्न हो सके।

योगी सरकार में लौटा अयोध्या के गुप्तारघाट का वैभव

विशेष संवाददाता

- गुप्तारघाट पर रावण वध, हनुमान व जटायु स्टेच्यू तैयार
- 18.34 करोड़ की लागत से तीसरे चरण में हो रहा सौंदर्यीकरण

अयोध्या। अयोध्या में गुप्तारघाट का वैभव पुनः लौट रहा है। पर्यटन विकास तेजी से हो रहा है। योगी सरकार की रामराज्य की परिकल्पना के अनुरूप आने वाले दिनों में गुप्तारघाट का हर एक नजारा त्रेता युग को जोड़ता दिखेगा। क्योंकि सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल इस महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पर तीसरे चरण का विकास कार्य अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। विशेष रूप से यहां बन रहा ओपन एयर थियेटर संभवतः होली तक जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस थियेटर के साथ रावण वध, हनुमान और जटायु की भव्य मूर्तियां भी तैयार हो चुकी हैं, जो रामायण की भावना को जीवंत रूप से दर्शायेंगी।

गुप्तारघाट ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि भगवान श्री राम ने इसी घाट से जल समाधि ली थी और यहां अंतिम बार सरयू नदी में प्रवेश किया था।

राम भक्तों के लिए यह स्थान आस्था का केंद्र है। योगी सरकार ने इसे विश्व स्तरीय पर्यटन केंद्र बनाने का संकल्प लिया है। पहले दो चरणों में बड़े पैमाने पर विकास हो चुका है, जिसमें घाट का सौंदर्यीकरण, वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं, आधुनिक पार्क, योग-ध्यान केंद्र आदि शामिल हैं। अब तीसरे चरण में कुल 1833.63 लाख रुपये (लगभग 18.34 करोड़) की लागत से अंतिम छोर का काम चल रहा है। तीसरे चरण में मुख्य रूप से पार्किंग क्षेत्र, पाथवे, टिकट घर, गार्ड रूम, टॉयलेट ब्लॉक, किचन के फिनिशिंग कार्य प्रगति पर हैं। साथ ही इंटरप्रिटेशन सेंटर, अन्य स्ट्रक्चरल म्यूरल्स (भित्ति चित्र), बाउंड्री वॉल का काम भी तेजी से चल रहा है। सबसे आकर्षक हिस्सा ओपन एयर थियेटर है, जहां फिनिशिंग, विद्युतीकरण और हॉर्टिकल्चर का कार्य जारी है। इस थियेटर में रामायण से जुड़े नाटक, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रामलीला जैसे आयोजन होंगे। यहां रावण वध का दृश्य, हनुमान जी की विशाल प्रतिमा और जटायु की मूर्ति पर्यटकों को राम कथा की याद दिलाएंगी। ये मूर्तियां पहले से ही तैयार हैं और थियेटर के परिसर में स्थापित की जा रही हैं।

आगामी दिनों में गुप्तारघाट न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और मनोरंजन का भी प्रमुख केंद्र बन जाएगा। योगी सरकार का फोकस अयोध्या को ग्लोबल टूरिज्म हब बनाने पर है। राम मंदिर के बाद गुप्तारघाट का यह विकास राम नगरी की चमक को और बढ़ाएगा। यहां आने वाले श्रद्धालु सरयू के किनारे शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ-साथ आधुनिक सुविधाओं का आनंद ले सकेंगे। ओपन एयर थियेटर से शाम के समय रामायण आधारित प्रदर्शन देखना एक अनोखा अनुभव होगा। यह परियोजना पर्यटन विभाग की है। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है।

अयोध्या परियोजना प्रबंधक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि अब तक 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना में कुछ विलंब हुआ है, क्योंकि कार्यों में बढ़ोतरी की गई। मूल लक्ष्य से दो महीने पीछे चल रही यह परियोजना अब फरवरी 2026 में पूरी हो जाएगी। होली के आसपास या होली तक (मार्च 2026) यह ओपन एयर थियेटर और पूरा परिसर श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०-../ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक कृष्ण शरण सिंह आ० लाल सौभाग्य शरण सिंह निवासी बाबूपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर 09 बाबूपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 3323/12 रकबा 10986.8 वर्गफीट भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भू-तल पर रकबा 366.1 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 403.2 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 403.2 वर्गमीटर पर व्यावसायिक भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 20/02/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202602020700113/

विषयः-अ-27

मामले की श्रेणीः-राजस्व

सनः-2025-2026

सांडवार (प ह न. 00024).

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार राजनाथ महिपाल आ. नान्ह अनिता ललिता पुत्री गोपाल, अनावेदक पक्षकार -राजनाथ महिपाल आ. नान्ह अनिता ललिता पुत्री गोपाल,

ईश्तहार

आवेदक ललिता लकडा आ० गोपाल उरांव पति आशीष लकडा, निवासी मानपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम सांडबार स्थित खसरा नंबर 127/3, 128/2, 129/6, 30/1, 131/3 रकबा क्रमशः 0.006, 0.091, 0.030, 0.166, 0.101 हे० भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बराबर बराबर हिस्से में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायगा यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगॉव तहसील भैयाथान

//ईश्तहार//

रा०प्र० क०-04 ब-121/2024/25

आम जनता ग्राम जगदीशपुर को सूचित किया जाता है किआवेदक इंद्रावती आ. स्व दशरथ जाति रजवार निवासी ग्राम जगदीशपुर तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा। अपने स्वयं इंद्रावती का जन्म दिनांक 01/01/1990 को जन्म / होने पर आवेदक द्वारा अपने पुत्र/पुत्री / माता/पिता का जर्क / मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत् शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धत्ता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 17/02/2026 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगॉव जिला सूरजपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क० /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामानंद पटेल आ० दुर्योधन पटेल, निवासी ग्राम परसडीह पोस्ट बरतीकला, तहसील वाड्रफनगर, जिला बलरामपुर छ०ग० द्वारा ग्राम नेहरूनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 101/4 में से रकबा 0.012 हे० भूमि पर से विक्रेता प्रिया राय पत्नी तुषार राय, जाति ब्राहम्ण, निवासी केदारपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर से दिनांक 10/ 01 /2025 को पंजीबद्ध विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय किया गया है, आवेदक द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर नामांतरण बावत आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/02/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 22/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पत्रमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700146/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सनः-2025-2026

मणीपुर प.ह.न. 00022 [379/1(0.1460हे0)]

पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार - नंदलाल,

अनावेदक पक्षकार - जगमोहन, जीतु मुण्डा गुड्डी उर्फ.सुनीता भूषण पिता मोहर साय उर्फ मोहरलाल,

ईश्तहार

आवेदक नंदलाल आ०जगमोहन निवासी ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 379/1 रकबा 0.251 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में मृतक खातेदार जगमोहन का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार//

क्रमांक/1857-/वाचक-2/2025

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम नगर पोड़ी प०ह०नं०12 तहसील सुरजपुर जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक ननकी बाई पिता दिलबंधु जाती गोड़

निवासी ग्राम देवापुर पोस्ट केतका थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ.ग. ने अपने माता फूलकुंवर पति दिलबंधु मृत्यु तिथि 18/07/2024 स्थान पोड़ी के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमे कार्यवाही की जा रही है। अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति आक्षेप हो तो ये स्वंय को उपस्थित अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 07/02/2026 दिन होकर दावा /आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दाया/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा आज दिनांक 23/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार तहसील
सूरजपुर जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202602020700112/

विषयः-अ-27

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सन्नः-2025-2026

लक्ष्मीपुर (प ह न. 00023),

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार-राजनाथ महिपाल देवमूनी राजमुनी,

अनावेदक पक्षकार -राजनाथ महिपाल देवमूनी राजमुनी,

ईश्तहार

आवेदक ललिता लकडा आ० गोपाल उरांव पति आशीष लकडा, निवासी मानपुर, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित खसरा नंबर 535/2, 565/2, 565/4, 577/1, 583/1, 773/4 रकबा क्रमशः 0.276, 0.060, 0.030, 0.174, 0.070, 0.059 हे० भूमि को उभयपक्ष के मध्य में बराबर बराबर हिस्से में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/03/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 05/02/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न.

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धिरेन्द्र सिंह पिता रामनारायण जाति गोड निवासी ग्राम तरका प.ह.न 02.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री हिरोन्दिया का जन्म / मृत्यु दिनांक 17-08-2024 को ग्राम तरका में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री हिरोन्दिया का जन्म / मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत तरका को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक 04/02/2026 को मेरे जारी किया गया। हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

नायब तहसीलदार तहसील
भैयाथान जिला सूरजपुर

ग्लोबल टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा मयाली - मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज भारत सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 की उप-योजना सीबीडीडी के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना का मयाली नेचर कैंप में विधिवत भूमिपूजन किया। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित इस परियोजना के तहत मयाली, विश्व प्रसिद्ध मधेश्वर पर्वत (विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग) तथा बगीचा स्थित कैलाश गुफा क्षेत्र में विभिन्न पर्यटन सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह परियोजना क्षेत्र की प्राकृतिक, सांस्कृतिक एवं जनजातीय विरासत के संरक्षण के साथ-साथ समुदाय आधारित पर्यटन को सशक्त बनाएगी। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और जशपुर जिले को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में नई पहचान मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि मयाली-बगीचा विकास परियोजना जशपुर जिले के पर्यटन विकास के लिए एक ऐतिहासिक पहल है। आज मयाली के विकास की मजबूत नींव रखी गई है। मयाली अब पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रहा है और आने वाले समय में यह एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मयाली की पहचान सदियों से मधेश्वर महादेव से जुड़ी रही है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग माना जाता है। इस विकास परियोजना के माध्यम से मधेश्वर पर्वत के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। परियोजना के अंतर्गत मयाली डेम के समीप पर्यटक रिसोर्ट एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर का निर्माण किया

जाएगा। उन्होंने कहा कि मयाली को एक समग्र इको-टूरिज्म और एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां के जंगल, झरने, पहाड़ और समृद्ध आदिवासी संस्कृति को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाया जाएगा। पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा। श्री साय ने कहा इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा होम-स्टे नीति लागू की गई है, जिससे ग्रामीण परिवार पर्यटन गतिविधियों से सीधे जुड़कर आय अर्जित कर सकेंगे और पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति को नजदीक से जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आई है। स्किल डेवलपमेंट सेंटर में टूर गाइड, होटल सेवा, एडवेंचर स्पोर्ट्स, हस्तशिल्प एवं डिजिटल बुकिंग से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे न केवल पर्यटन बल्कि जशपुर की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

विकास कार्यों से बदलेगी मयाली की तस्वीर, उभरेगा नया पर्यटन केंद्र

मयाली क्षेत्र को प्राकृतिक, धार्मिक एवं ग्रामीण पर्यटन के समग्र गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत 5 पर्यटक कॉटेज, कॉन्फ्रेंस एवं कन्वेंशन हॉल, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, भव्य प्रवेश द्वार, बाउंड्री वॉल, आधुनिक टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का निर्माण किया जाएगा। इन सुविधाओं से पर्यटकों के ठहराव एवं विभिन्न आयोजनों की बेहतर व्यवस्था होगी और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। धार्मिक पर्यटन को सशक्त करने के लिए शिव मंदिर क्षेत्र में प्रवेश द्वार, टॉयलेट सुविधा, लैंडस्केपिंग एवं पाथवे का विकास किया जाएगा। वहीं बगीचा स्थित कैलाश गुफा परिसर में प्रवेश द्वार, पिकनिक स्पॉट, रेस्टिंग शेड, घाट विकास, पाथवे तथा सीढ़ियों एवं रेलिंग का जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को सुरक्षित एवं सुविधाजनक अनुभव मिलेगा। यह समस्त कार्य भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत मयाली-बगीचा विकास परियोजना के माध्यम से किए जाएंगे। परियोजना के पूर्ण होने से पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक-प्राकृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की संभावना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, विभिन्न बोर्ड-निगमों के अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

प्रदेश में खुलेंगे 4 नए उप पंजीयक कार्यालय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रदेश में आम नागरिकों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन से जुड़ी सेवाएं सहज, सुलभ और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 के प्रावधानों के तहत भखारा (जिला धमतरी), लवन (तहसील मुख्यालय, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा), सकरी एवं राजकिशोर नगर (बिलासपुर) में चार नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमतरी जिला के भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने हेतु प्रशासकीय स्वीकृत दी गई है। इसी प्रकार जिला पंजीयक बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय लवन और बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर एवं सकरी में उप पंजीयक कार्यालय खोलने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है। इन नए उप पंजीयक कार्यालयों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को

रजिस्ट्री कार्य के लिए दूरस्थ जिला मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन की बचत होगी, भीड़ कम होगी तथा पंजीयन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और प्रशासनिक कार्यों में गति आने की भी संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की सेवाएं आम नागरिकों तक उनके निकटतम स्तर पर उपलब्ध हों। नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति से लोगों को पंजीयन संबंधी कार्यों में बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय सुशासन की दिशा में एक और सशक्त कदम है, जिससे नागरिकों का समय बचेगा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। वित्त एवं वाणिज्य कर पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य हमारी सरकार नागरिक सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है ।चार नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति इसी सोच का परिणाम है। नए उप पंजीयक कार्यालय खुलने से पंजीयन व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को उनके क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और त्वरित होगी। उन्होंने बताया कि पंजीयन विभाग द्वारा 10 नए क्रांतिकारी सुधार लागू किए गए हैं, जिनका लाभ इन क्षेत्रों के नागरिकों को भी मिलेगा। इनमें ऑटो डीड जनरेशन, आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन, घर बैठे रजिस्ट्री, स्वतः नामांतरण, ऑनलाइन भारमुक्त प्रमाणपत्र, एकीकृत कैशलेस भुगतान, व्हाट्सएप आधारित सेवाएं, डिजीलॉकर एकीकरण, डिजी-डॉक सेवा तथा खसरा नंबर के माध्यम से ऑनलाइन सर्च एवं रजिस्ट्री डाउनलोड की सुविधा शामिल है।

पर्यटन और एडवेंचर स्पोर्ट्स से युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज अलग अंदाज में नजर आए और उन्होंने 10 रूपए का टिकट कटाकर जिले के लोकप्रिय पर्यटन स्थल मयाली नेचर कैंप में साहसिक खेल गतिविधियों का आनंद लिया और कई नए एडवेंचर स्पोर्ट्स की औपचारिक शुरूआत भी की। मुख्यमंत्री ने प्रवेश शुल्क अदा कर नेचर कैंप में प्रवेश करते हुए आम नागरिकों को नियमों के पालन और समानता का एक सशक्त संदेश दिया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय, विधायक श्रीमती गोमती साय, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण

मंडल के अध्यक्ष डॉ. रामप्रताप सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री साय ने इस दौरान नेचर कैंप में विकसित अधोसंरचनाओं, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रकृति-आधारित पर्यटन एवं साहसिक गतिविधियां न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित करती हैं। मुख्यमंत्री साय ने मयाली नेचर कैंप में संचालित स्पोर्ट्स मोटर बाइक (एटीवी) को स्वयं चलाकर साहसिक पर्यटन का आनंद लिया। इसके साथ ही उन्होंने बंदूक से सटीक निशाना साधते हुए बैलून शूटिंग का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने आर्चरी शूटिंग में तीर चलाकर निशाना साधा और इस खेल की भी शुरूआत की। साथ ही उन्होंने माउंटेन साइक्लिंग का शुभारंभ करते हुए स्वयं साइकिल चलाकर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। नेचर कैंप में वॉल क्लाइंबिंग बोर्ड का उद्घाटन भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया।

500 करोड़.रूपए की लागत से होंगे 28 महत्वपूर्ण सड़कों के कार्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ गठन के रजत जयंती महोत्सव के विशेष अवसर पर शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री विण्णु देव साय के निर्देशन में और लोक निर्माण विभाग मंत्री अरूण साव के मार्गदर्शन में आमजन के लिए यातायात और अधिक सुगम बनाने में महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों को कराने स्वीकृति प्रदान की गई है। हाल ही में लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में सड़कों के 28 महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पांच सौ करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए है। राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत महत्वपूर्ण सड़कों के कार्यों में जिला धमतरी के भोथली मेंढरका मार्ग निर्माण कार्य पुल-पुलिया सहित लम्बाई 3

किलोमीटर के कार्य के लिए 5 करोड़ 64 लाख 51 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी प्रकार धमतरी के मेघा से खैरझिटी मार्ग लम्बाई 3.50 किलोमीटर चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य के लिए 10 करोड़ 39 लाख 64 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जिला सूरजपुर के अंतर्गत बिशुनपुर-सूरजपुर-ओड़गी मार्ग (एस.एच-16) के सुदृढ़ीकरण एवं मजबूती कार्य के लिए 32 करोड़ 24 लाख 47 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इसी तरह से विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर के अंतर्गत जमदेई से पोतका मार्ग पर रेहण्ड नदी तक मार्ग निमार्ण कार्य के लिए 6 करोड़ 15 लाख 40 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। बेमेतरा जिले के अंतर्गत देवकर साजा खम्हरिया मार्ग लम्बाई 31.60 किलोमीटर के लिए 31 करोड़ 11 लाख 43 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी प्रकार से बेरला से कोदवा देवरबीजा करमू मार्ग लम्बाई 22 किलोमीटर के लेन मजबूतीकरण कार्य के लिए 15 करोड़ 94 लाख एक हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी प्रकार बहिंगा तिवरैया सिमगा पहुंच मार्ग लम्बाई 12 किलोमीटर के निर्माण कार्य के लिए 11 करोड़ 81 लाख 12 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के कामेश्वर नगर रामचन्द्रपुर-लुरगी मार्ग के मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्य 48 किलोमीटर के लिए 25 करोड़ 68 लाख 85 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह से सनावल मार्ग के मजबूतीकरण एवं उन्नयन कार्य 35 किलोमीटर के लिए 9 करोड़ 16 लाख 21 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी प्रकार परसवार से चलगली उन्नयन मार्ग लम्बाई 18 किलोमीटर निर्माण कार्य के लिए 38 करोड़ 80 लाख 48 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जशपुर जिले के अंतर्गत विकासखण्ड कांसाबेल के गड़ैरटोली से जामुण्डा-कटंगखार पहुंच मार्ग लम्बाई 4.50 किलोमीटर पुल-पुलियों सहित निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 62 लाख 80 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है।

भारत निर्वाचन आयोग राज्य चुनाव आयुक्तों के राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) 24 फरवरी, 2026 को राज्य चुनाव आयुक्तों (एसईसी) के एक राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा। देश के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य चुनाव आयुक्तों के इस सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है, जो भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय एसईसी सम्मेलन 25 से अधिक वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित किया जा रहा है। पिछला ऐसा सम्मेलन वर्ष 1999 में आयोजित किया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे और उद्घाटन समारोह में राज्य चुनाव आयुक्तों को संबोधित करेंगे। राज्य चुनाव आयुक्त अपने कानूनी विशेषज्ञों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ भाग लेंगे और अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी इस राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री आवास योजना में रचा राष्ट्रीय कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर सुशासन, दृढ़ इच्छाशक्ति और परिणामोन्मुख प्रशासन का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की पहली ही बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। निर्णय के परिपालन में राज्य के सभी जिलों के सतत, संगठित एवं अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किया है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में मात्र 10 माह 4 दिवस की अवधि में छत्तीसगढ़ में देश में सर्वाधिक 5 लाख प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण पूर्ण किया गया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि योजना के प्रारंभ से अब तक पहली बार छत्तीसगढ़ ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 5 लाख

आवासों के निर्माण का रिकॉर्ड कायम किया है। मानसून अवधि सहित औसतन प्रतिदिन 1,600 से अधिक आवासों का निर्माण कर राज्य ने समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और लक्ष्यबद्ध कार्य निष्पादन की नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिलों की सक्रिय भागीदारी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक कार्य संस्कृति इस उपलब्धि का मजबूत आधार बनी है। इस क्रम में बिलासपुर जिले में 29 हजार 235, महासमुंद में 27 हजार 224, बलरामपुर में 27 हजार 12, कोरबा में 26 हजार 839 तथा रायगढ़ जिले में 26 हजार 707 आवासों का निर्माण पूर्ण कर इन जिलों ने राज्य की समग्र उपलब्धि में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त मस्तूरी, आरंग, डभरा, बिल्हा, पाली एवं जैजैपुर जनपद पंचायतों द्वारा भी 7,500 से अधिक प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण कर उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवास निर्माण के साथ-साथ आजीविका सृजन को भी समान प्राथमिकता दी गई है। महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हजारों महिलाओं ने सीएलएफ बैंक से ऋण लेकर निर्माण सामग्री आपूर्ति का कार्य प्रारंभ किया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है। इस पहल के परिणामस्वरूप 8,000 से अधिक महिलाएँ ह्यलखपति दीदीह्न के रूप में आत्मनिर्भर बनकर उभरी हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है ।साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से राजमिस्त्री प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक जिलों में स्थित आरसेटी के माध्यम से 6,000 से अधिक हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें 960 से अधिक महिलाएँ तथा 292 से अधिक आत्मसमर्पित नक्सली शामिल हैं। यह पहल कौशल विकास के साथ-साथ सामाजिक पुनर्वास और मुख्यधारा से जुड़ाव का प्रभावी माध्यम बन रही है। आवास हितग्राहियों की निजी भूमि पर महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत आजीविका संवर्धन हेतु विभिन्न कार्य स्वीकृत किए गए हैं, जिनके तहत वर्तमान में प्रदेश में 10,000 से अधिक आजीविका डबरियों का निर्माण प्रगतिरत है।

डीडी नगर आयुष्मान आरोग्य मंदिर गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आयुष्मान आरोग्य मंदिर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डी.डी. नगर रायपुर में छत्तीसगढ़ शासन की योजना के तहत अस्पताल का संचालन किया जा रहा है, लेकिन वर्तमान में यह अस्पताल गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार होता नजर आ रहा है। शुरूआत में यह स्वास्थ्य केंद्र सुचारु रूप से संचालित हो रहा था और स्टाफ की भी पर्याप्त उपलब्धता थी, लेकिन समय के साथ कर्मचारियों का अन्य स्थानों पर स्थानांतरण कर दिया गया, जबकि रिक्त पदों पर नई नियुक्तियां नहीं की गईं।

कई सुविधाएं नदारद

लगभग पिछले एक वर्ष से स्टाफ की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के चलते अस्पताल की व्यवस्थाएं चरमरा गई हैं। स्थिति यह है कि शुगर जांच के लिए मशीन तो मौजूद है, लेकिन स्ट्रिप्स की अनुपलब्धता के कारण जांच नहीं हो पा रही है। खून जांच की कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं, रायपुर के अन्य वार्डों में स्थित हमर अस्पताल राजा तालाब, सिटी अस्पताल गुड़ियारी, भाटागांव, रामनगर,

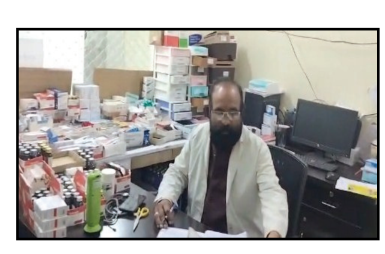

मठपुरैना और खो-खो पारा जैसे स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाएं डी.डी. नगर अस्पताल में नदारद हैं। गौर करने वाली बात यह है कि मेकाहारा से मात्र दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित हमर अस्पताल में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं, जबकि मेकाहारा से लगभग सात किलोमीटर दूर स्थित डी.डी. नगर जैसे बड़े वार्ड में सुविधाएं बेहद सीमित हैं। आवश्यकतानुसार स्टाफ की कमी के चलते अस्पताल संचालन में भारी दिक्कतें सामने आ रही हैं।

स्टाफ की कमी में अकेले डॉक्टर के भरोसे अस्पताल

वर्तमान में अस्पताल में केवल एक डॉक्टर, डॉ. प्रणव कुमार वर्मा, सांध्यकालीन अस्पताल में न सिर्फ चिकित्सकीय सेवाएं दे रहे हैं, बल्कि उन्हें कंपाउंडर, दवा वितरण और कभी-कभी पंजीयन का कार्य भी स्वयं करना पड़ता है। कई बार उन्हें अन्य सामान्य कार्य करते हुए भी देखा गया है। मरीजों की बढ़ती भीड़ के बीच इस तरह की व्यवस्था से दवा वितरण में चूक की आशंका बनी रहती है, जिसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ सकता है। साथ ही, सभी कार्य एक ही डॉक्टर द्वारा किए जाने से मरीजों को अनावश्यक रूप से लंबा इंतजार करना पड़ता है। राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं की यह स्थिति प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई चिकित्सालयों में तय सेटअप से अधिक स्टाफ पदस्थ हैं, जबकि डी.डी. नगर जैसे क्षेत्रों में घोर कमी बनी हुई है। इसे लालफीताशाही, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार से जोड़कर देखा जा रहा है। शासन की इस लापरवाही से डी.डी. नगर क्षेत्र में आमजन के बीच निराशा और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने शासन से मांग की है कि अस्पताल में तत्काल पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति कर आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं बहाल की जाएं, ताकि लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

पंचायतों में चस्पा की गई तार्किक विसंगतियों की सूची, 10 दिन आपत्ति का अवसर

11 को होगा विशेष ग्राम सभा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में आने वाले व्यक्तियों के नाम सार्वजनिक किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायत भवनों, सार्वजनिक स्थलों, तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी कार्यालयों तथा शहरी क्षेत्रों में वार्ड कार्यालयों में संबंधित सूचियाँ आम नागरिकों के अवलोकन हेतु चस्पा की गई हैं।भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में प्रभावित व्यक्तियों को सूची के प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों की अवधि के भीतर अपने दस्तावेज अथवा आपत्तियां प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया है। संबंधित व्यक्ति स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधि, जिनमें बीएलए भी शामिल हो सकते हैं, के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज बीएलओ कार्यालय अथवा तहसील, अनुविभागीय अधिकारी स्तर के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आयोग के निर्देशों के परिपालन में जिले के सभी ग्राम पंचायतों में 11 फरवरी को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस ग्राम सभा में मतदान केंद्रों के बीएलओ द्वारा तार्किक विसंगतियों की सूची का वाचन किया जाएगा, जिससे आम नागरिकों को जानकारी मिल सके और वे समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई कर सकें।

निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता और समयबद्धता करें सुनिश्चित : जयवर्धन

कलेक्टर ने ली निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को यहां जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में विभिन्न निर्माण कार्य विभागों की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग, सेतु निर्माण विभाग, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन, हाउसिंग बोर्ड, विद्युत विभाग एवं विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता उपस्थित थे। बैठक में आदिम जाति विकास विभाग के निर्माण कार्यों पर चर्चा की गई। जिसमें कन्या एवं बालक छात्रावास, पोस्ट मैट्रिक आदिवासी छात्रावास एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई।

कलेक्टर ने छात्रावासों में आ रही समस्याओं के त्वरित समाधान करने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को सुरक्षित एवं

अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत निर्मित सड़कों के स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश दिए। सेतु निर्माण विभाग से जिले में निर्मित पुलों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने सभी पुलों की समय-समय पर जांच एवं आवश्यक अनुरक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले के जिन पुलों की स्थिति जर्जर है वहां अति शीघ्र नए पुल निर्माण के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे सड़क मरम्मत, स्कूल भवन, बाउंड्री वॉल एवं छात्रावास निर्माण सहित अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को फील्ड में जाकर कार्यों की निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने नए सड़कों के निर्माण के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा हाउसिंग बोर्ड के अंतर्गत कार्य प्रगति की जानकारी, विद्युत विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार विद्युतीकरण कर किसानों को लाभ पहुँचाने वाले कार्यों को प्राथमिकता देने, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी कार्य समयसीमा में करने, राष्ट्रीय राजमार्ग और कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत किए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में निर्माणाधीन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करें ताकि लोगों को इन कार्यों का लाभ मिल सके। इसके लिए उन्होंने निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सरगुजा ओलंपिक में जूनियर व सीनियर खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के स्टेडियम ग्राउंड में विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 3 फरवरी को जूनियर एवं 4 फरवरी को सीनियर वर्ग के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण जनपद अध्यक्ष श्रीमति स्वाति सिंह के द्वारा किया गया।समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे लाने का सशक्त माध्यम हैं। सभी ने जिला स्तरीय आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में जनपद सदस्य घूरन सिंह, प्रतिनिधि बाबूलाल राजवाड़े, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, जिला खेल अधिकारी श्रीमती आरती पांडेय सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों, पीटीआई एवं शिक्षकों के सहयोग से किया गया।

बेंगलुरु बालिका गृह में महीनों से रह रही बालिका लाई गई सकुशल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कर्नाटक के बेंगलुरु स्थित बालिका गृह में पिछले कई महीनों से रह रही जिले की एक बालिका को सकुशल वापस लाया गया। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग शुभम बंसल द्वारा एक विशेष दल का गठन कर तत्काल बेंगलुरु रवाना किया गया था।

गठित दल में संरक्षण अधिकारी एवं चाइल्ड लाइन सुपरवाइजर शामिल थे, जो बालिका के पिता के साथ 24 जनवरी को बेंगलुरु के लिए रवाना हुए। 26 जनवरी को दल बेंगलुरु पहुंचा, जहां सीधे बालिका गृह जाकर संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया गया। आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उसी दिन शाम 5 बजे बालिका को दल द्वारा अपने संरक्षण में लिया गया।31 जनवरी को बालिका को सुरक्षित रूप से जिला में लाकर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण कर बालिका को उसके माता-पिता के संरक्षण में सौंप दिया गया। अपनी पुत्री को सकुशल वापस पाकर

परिजन प्रसन्न एवं भावुक नजर आए।

महिला एवं बाल विकास विभाग के सतत एवं समन्वित प्रयासों से बालिका का सुरक्षित पुनर्वास संभव हो सका।

विविध कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर महाविद्यालय की एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम ठाढ़पाथर स्थित हाई स्कूल में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का बुधवार को समापन हुआ। कार्यक्रम में उप निरीक्षक क्षेत्रपाल सिंह ने यातायात जागरूकता एवं साइबर अपराध से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छात्र छात्राओं एवं स्वयंसेवकों के साथ साझा की।

उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में उपसरपंच नीरज पाठक, रामपाल जायसवाल, अवध पाठक, वरिष्ठ नागरिक गांधी पाठक, रामानुज पाठक, मंदेश गुर्जर, हाई स्कूल प्राचार्य तेरेसा तिर्की, पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक गौरी शंकर पाठक, व्याख्याता सीता देवी सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे। सात दिवसीय शिविर की गतिविधियों में स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम ठाढ़पाथर में नशा मुक्ति रैली, परियोजना कार्य अंतर्गत स्कूल प्रांगण में पाँच चबूतरों का निर्माण, स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरूकता, वन्यजीव संरक्षण, वनाग्नि से सुरक्षा तथा साक्षरता अभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि बी. प्रजापति ने स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों को एसआईआर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य करने हेतु प्रेरित किया। रामपाल जायसवाल ने गीतों, श्लोकों एवं उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला। समारोह में स्वयंसेवकों द्वारा मनमोहक नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति दी गई। अंत में सभी स्वयंसेवकों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिविर के संचालन में छात्र अम्बेडकर, शिवम तिवारी, आशुतोष वैश्य, रवीना शाह, बृजेश यादव, दीपिका सिंह, विद्यावती सिंह, दीपक तिवारी, रामकेवल, प्रेमा, आरती, देवेंद्र, राजकुमारी सहित अन्य विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय स्टाफ आभा रंजना कुजूर, सचिन मिंज, पिंटू कुमार, अखिलेश रवि, शिखा पाठक, रीना कुजूर मिंज, रामनिवास पटेल, अर्जुन प्रधान, अमन सिंह, हरिशंकर डहरिया, अनदीप मिंज का योगदान रहा।

रोजगार और मुआवजे के मामले को लेकर भटगांव क्षेत्र के नए महाप्रबंधक से मिले भूस्वामी

0 अपनी पीड़ा से कराया अवगत 0 आरोप-पूर्व प्रबंधन की निष्क्रियता से वर्षों तक अटकी रहीं फाइलें

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। लंबे समय से रोजगार और मुआवजे से जुड़े लंबित मामलों को लेकर जमीन मालिकों और हितग्राहियों ने भटगांव क्षेत्र के नवीन महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी पीड़ा साझा की। बैठक में बड़ी संख्या में ग्रामीण और प्रभावित परिवार उपस्थित रहे। हितग्राहियों ने स्पष्ट कहा कि पिछले कई वर्षों से उनके मामलों में केवल आश्वासन ही मिलता रहा, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

हितग्राहियों का कहना है कि पूर्व महाप्रबंधक के कार्यकाल में प्रस्तावों और फाइलों पर अपेक्षित गति से काम नहीं हुआ। रोजगार और अधिकार से जुड़े कई प्रकरण लंबे समय तक लंबित रहे, जिससे प्रभावित परिवारों को आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। बार-बार आवेदन और याद दिलाने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया। नवीन महाप्रबंधक से हुई मुलाकात के दौरान हितग्राहियों ने विस्तार से अपनी समस्याएं रखीं। अधिकारियों द्वारा मामलों की समीक्षा और प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के आश्वासन के बाद लोगों में उम्मीद की भावना दिखाई दी। बैठक के बाद हितग्राहियों ने आभार व्यक्त करते हुए यह विश्वास जताया कि अब मामलों के निराकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। बैठक की खबर जैसे ही आसपास के गांवों तक पहुंची, लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई। कई परिवारों का कहना है कि यदि लंबित प्रस्तावों पर समयबद्ध कार्रवाई होती है, तो वर्षों से रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे युवाओं और परिवारों को राहत मिल सकती है। अब क्षेत्र के लोगों की निगाहें नए प्रबंधन पर टिकी हैं। क्या नवीन महाप्रबंधक भटगांव हितग्राहियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान कर पाएंगे, या फिर उम्मीदें एक बार फिर इंतजार में बदल जाएंगी?

यह केवल फाइलों का मामला नहीं, बल्कि उन परिवारों के भविष्य का प्रश्न है, जिनकी आजीविका और सम्मान इन फैसलों पर निर्भर है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

No. E/SA/Edu./C.T/2026-27/E-64230
Date: 30-01-2026

अधिसूचना

पदों की सं: 91 अंशकालिक संविदात्मक (Contractual) शिक्षक

बिलासपुर मंडल के शिक्षा विभाग हेतु सत्र 2026-27 हेतु एक वर्ष के लिए अंशकालिक संविदात्मक (Contractual) शिक्षकों के अनुबंध हेतु संक्षिप्त अधिसूचना जारी की जाती है। वार्षिक अनुबंध के आधार पर बिलासपुर मंडल के एस. ई. सी. रेलवे/एच.एस.एस. नंबर-1 एवं नंबर-2 बिलासपुर के स्कूलों हेतु कुल 74 पदों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू (साक्षात्कार) द.पू.म.रेलवे के मिश्रित प्राथमिक विद्यालय/बुधवारी बाजार/ बिलासपुर (जो की N.E.I. Ground के पास) में 12-03-2026 को पी.जी.टी. पद के लिए, 13-03-2026 को टी.जी.टी. के लिए तथा 14-03-2026 को पी.एस.टी. पद के लिए आयोजित किया जाएगा तथा एम.एच.एस./शहडोल स्कूल के टी.जी.टी. एवं पी.एस.टी के कुल 17 पदों हेतु चयन दिनांक 27-02-2026 को एस.ई.सी. रेलवे/एम.एच.एस./शहडोल स्कूल मे किया जाना है। अतः इच्छुक उम्मीदवार 09:00 बजे से 10:00 बजे के बीच निर्धारित स्थान पर रिपोर्ट कर अपना पंजीकरण सुनिश्चित कर सकते हैं। विस्तृत विवरण अर्थात पात्रता, योग्यता, आयु अनुभव और अन्य नियम और शर्तों के लिए कृपया एसईसीआर वेबसाइट में अपलोड किया गया है:-https://secr.indianrailways.gov.in.
1. (Recruitment/News/Press Release → Recruitment → Bilaspur) 2. (Dept./Div. of SECR-Division-BILASPUR-Personnel-Notification)

सहायक कार्मिक अधिकारी-I
कृते, व. मंडल कार्मिक अधिकारी /बिलासपुर

सीपीआर/10/AM/661

South East Central Railway @secrail

वनमण्डल बलरामपुर द्वितीय निविदा दिनांक 13.02.2026

निविदा द्वारा विक्रय हेतु रखी जाने वाली राजसात वाहनों का विवरण

क्र0	लाट क्र0	थप्पी क्र0	वाहन का प्रकार	वाहन का पंजीयन क्रमांक	वाहन कहां स्थित है?
1	2	3	4	5	6
1	—	—	पिकअप	UP64D-8429	वन परिक्षेत्राधिकारी वाड्रफनगर निवास कैम्पस में खडा है।
2	—	—	महेन्द्रा पिकअप	CG15A-2298	वन परिक्षेत्राधिकारी निवास कैम्पस रामानुजगंज में खडा है।
3	—	—	टाटा पिकअप	MM-950MD2KX-DX-62290	वन परिक्षेत्राधिकारी निवास कैम्पस रामानुजगंज में खडा है।
4	—	—	महेन्द्रा बोलेरो	CG15B-1846	वन परिक्षेत्राधिकारी बलरामपुर कैम्पस में खड़ा है।

वनमण्डलाधिकारी
बलरामपुर वनमण्डल बलरामपुर

जी-252606463/1

डेढ़ माह पूर्व हुई वृद्धा की हत्या के मामले में चंदौरा पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

गाली देने से नाराज वृद्धा के नातिन दामाद ने गला घोंट कर की थी हत्या, कुचला था पत्थर से सिर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की चंदौरा पुलिस ने करीब डेढ़ माह पूर्व हुई वृद्धा की हत्या के मामले को सुलझा लिया है। हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले मृतिका के नातिन दामांद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि 21 दिसंबर 2025 को ग्राम पटिया सरपंच रुद्र प्रसाद के द्वारा थाना चंदौरा में सूचना दी गई कि कोशाबूपारा सल्यापहरी जंगल में घाट पेण्डारी जाने वाले रास्ता के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है जिसके सिर पर एक भारी पत्थर रखा है जिससे चेहरा स्पष्ट प्रतीत नहीं हो रहा है। कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा महिला के सिर पर पत्थर पटक कर हत्या कर दिया गया है। सूचना पर धारा 103 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व डीएसपी अनूप एक्का के मार्गदर्शन में थाना चंदौरा पुलिस ने प्रकरण के अज्ञात मृतिका के पहचान व अज्ञात आरोपी के लगातार पतासाजी के दौरान 27 दिसंबर को अज्ञात मृतिका की पहचान 60 वर्षीया रनिया पति स्व. हीरालाल ग्राम दुरती के तौर में होने पर उसके परिजनों एवं गवाहों से पूछताछ की गई।

विवेचना पर पाया गया कि मृतिका रनिया बाई के पति का 2022 में देहांत हो गया था तथा कोई संतान नहीं थी। जिससे रनिया ग्राम डोमहत चंदौरा निवासी सौतेली नतनीन दामाद कमलेश चेचाम के घर आ जा कर रहती थी। प्रकरण में नई तकनीक से प्राप्त जानकारी के बाद संदेही कमलेश को पकड़ा गया, जिससे प्रकरण के संबंध में बारीकी से पूछताछ करने पर जुर्म घटित करना स्वीकार करते हुए बताया कि रनिया बाई के द्वारा लेने बुलाने पर 20 दिसंबर के शाम को अपने मोटर सायकल उसके घर ग्राम दुरती गया। जहां से रनिया बाई को लेकर वापस घर आने लगा तो रास्ता में रनिया द्वारा नशे की हालत में इसे और इसके खानदान को गाली-गलौज रास्ते में देते हुए पोंडी तक आने पर आवेश में आकर रनिया बाई को जान से मारने का मन बनाकर उसे घर न ले जाकर ग्राम दरहोरा, डोमहत, मायापुर होते हुए ग्राम पहिया से घाटपेण्डारी जाने वाले रास्ता में जंगल ले जाकर उसके साड़ी के पल्लू से गर्दन को दवा हत्या कर दिया। जिसके बाद शव को रोड किनारे गड्ढ़ा में ले जाकर मृतिका का पहचान छुपाने के इरादे से उसके सिर चेहरे पर एक भारी पत्थर को फेंक दिया और मृतिका का झोला मोबाईल लेकर अपने घर पास आकर घर के सामने मृतिका के मोबाईल सीम सहित व झोला को आग में जला दिया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल, 1 मोबाईल व 1 भारी पत्थर जप्त कर साक्ष्य को छुपाना पाये जाने से प्रकरण में पृथक से धारा 238 बीएनएस जोड़ी जाकर आरोपी कमलेश चेचाम 42 वर्ष ग्राम डोमहत खुटहनपारा को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी चंदौरा मनोज सिंह, प्रधान आरक्षक शैलेष सिंह, भगवत दयाल पैंकरा, मनोज केरकेट्टा, आरक्षक अवधेश कुशवाहा, करन सिंह, शेखर मानिकपुरी, कमलेश यादय व शिवभजन राजवाडे सक्रिय रहे।

सामाजिक सहायता पेंशन से जिले में 70 हजार लाभान्वित, जारी किए गए 5230 विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने की दिशा में सतत और प्रभावी प्रयास किए जा रहे

सुरक्षा एवं आत्मविश्वास की दिशा में मजबूत कदम

हैं। सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता के साथ संचालित योजनाओं ने वृद्धजनों, दिव्यांगो, विधवाओं, निराश्रितों एवं वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। समाज कल्याण विभाग की योजनाओं के माध्यम से सामाजिक सहायता पेंशन योजना अंतर्गत जिले में अब तक 70014 हजार हितग्राहियों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया जा रहा है। पेंशन वितरण में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के साथ पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की गई है। दिव्यांगजन कल्याण के अंतर्गत अब तक 5230 विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए जा चुके हैं। 546 सहायक उपकरणों का वितरण किया गया

है। जिससे दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता को बल मिला है। साथ ही विशेष विद्यालयों एवं पुनर्वास केंद्रों के विस्तार से उन्हें शिक्षा और पुनर्वास की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सियान हेल्पलाइन केंद्र के माध्यम से बुजुर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया गया है। वृद्धाश्रम एवं नशामुक्ति देखभाल गृहों के माध्यम से निराश्रित एवं उपेक्षित व्यक्तियों को आश्रय पहचान और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के हर वर्ग की सुरक्षा की भावना के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह पहल न केवल संवेदनशील शासन का उदाहरण हैं। बल्कि समावेशी विकास को जमीन पर उतारने की सशक्त मिसाल भी हैं।जिससे सूरजपुर सहित पूरे प्रदेश में सामाजिक न्याय और समानता को नई दिशा मिली है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

सरकारी भूमि में पीएम आवास के लिए स्वीकृति और जियो टैगिंग सवालों के घेरे में

सारासोर मंदिर परिसर से लगे क्षेत्र में अतिक्रमण की पुष्टि, तहसीलदार की मौजूदगी में सीमांकन

छ.ग.फ्रंटलाइन भटगांव। जनपद पंचायत भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत पहाड़ अमोरनी अंतर्गत ग्राम सारासोर में स्थित प्राचीन सारासोर मंदिर परिसर से लगी शासकीय एवं वन भूमि पर किए गए अवैध कब्जे और निर्माण का मामला अब प्रशासनिक रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है। न्यायालय नायब तहसीलदार भटगांव के आदेश पर गठित जांच दल द्वारा मौके पर पहुंचकर सीमांकन एवं पंचनामा की कार्रवाई की गई, जिसमें सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की स्पष्ट पुष्टि हुई है।

ग्रामीणों एवं ग्राम पंचायत द्वारा लंबे समय से शिकायत की जा रही थी कि मंदिर परिसर से लगी शासकीय व वन भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध रूप से मकान निर्माण किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने तहसील प्रशासन को जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में 05 जनवरी 2026 को गठित जांच दल ने ग्राम सारासोर पहुंचकर स्थल निरीक्षण, सीमांकन एवं पंचनामा की कार्रवाई की। इस दौरान शिवनारायण राठिया तहसीलदार, धनसाय नागेश राजस्व निरीक्षक, हिराचन सिंह पटवारी हल्का नंबर 25, प्रतिमा मार्कण्डे पटवारी हल्का नंबर 24, नरेंद्र बखला पटवारी हल्का नंबर 26, शारदा नाग पटवारी हल्का नंबर 30, सुमन धर दुबे पटवारी हल्का नंबर 23 मौजूद रहे। इनके मौजूदगी में शासकीय भूमि का सीमांकन किया गया और मौके पर ही पंचनामा तैयार किया गया। जांच और सीमांकन दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, साथ ही मां सतलोकी देवी ट्रस्ट के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। ट्रस्ट पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों का कहना है कि सारासोर मंदिर वर्षों से आस्था का केंद्र रहा है। मंदिर परिसर से लगी भूमि पर अतिक्रमण से धार्मिक, सामाजिक और सार्वजनिक हित प्रभावित हो रहा है।

पंचनामा में अवैध निर्माण की पुष्टि

जांच के दौरान खसरा नंबर 867, 863, 864 सहित अन्य शासकीय भूमि पर 10/6 मीटर, 11/5 मीटर एवं 6/6 मीटर क्षेत्रफल में पक्के व कच्चे मकानों का निर्माण पाया गया। इसके अतिरिक्त लगभग 50/20 मीटर क्षेत्र में भूमि समतलीकरण कर कब्जे की तैयारी भी सामने आई। सीमांकन उपरांत पंचनामा तैयार कर उपस्थित ग्रामीणों एवं संबंधित पक्षों के हस्ताक्षर लिए गए, जिससे अतिक्रमण की स्थिति अधिकारिक रूप से दर्ज हो गई।

भूमि का सत्यापन किस आधार पर

सूत्रों के अनुसार विवादित क्षेत्र में लगभग 10 प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत मकानों का निर्माण किया गया है, जबकि योजना के नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास का लाभ केवल वैध निजी अथवा आबादी भूमि पर ही दिया जा सकता है। शासकीय अथवा वन भूमि पर बिना वैधानिक स्वामित्व के आवास स्वीकृत किया जाना नियमों का सीधा उल्लंघन माना जा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि भूमि सरकारी थी, तो भूमि का सत्यापन किस आधार पर किया गया? जियो-टैगिंग और स्वीकृति किन दस्तावेजों पर दी गई? भुगतान जारी करने से पहले आपत्तियों को क्यों नजरअंदाज किया गया?

अब कार्रवाई पर टिकी निगाहें

न्यायालय के आदेश पर सीमांकन और जांच पूरी हो चुकी है, पंचनामा में शासकीय भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि दर्ज है, और प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर अनियमितता सामने आई है, ऐसे में सवाल उठता है कि अवैध अतिक्रमण हटाया जाएगा? क्या सरकारी भूमि पर पीएम आवास बनवाने वाले अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई होगी? क्या योजना को स्वीकृति देने वाले कर्मचारी और अधिकारी भी जवाबदेह ठहराए जाएंगे? जांच दल द्वारा तैयार विस्तृत प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया जाना है। इसके बाद प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पर पूरे क्षेत्र की नजर टिकी है। यह मामला अब केवल अतिक्रमण का नहीं, बल्कि सरकारी भूमि, धार्मिक स्थल और प्रधानमंत्री आवास योजना की पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन चुका है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में 90वीं शिव जयंती दिवस पर ध्वजारोहण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में 90वीं शिव जयंती के मौके पर बलरामपुर जिला पंचायत की सीईओ नयन तारा सिंह तोमर, सीईओ जिपं अंबिकापुर विनय अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस राकेश बघेल, आर्ट ऑफ लिविंग के संचालक अजय तिवारी एवं ब्रह्माकुमारी संचालिका अंबिकापुर बीके विद्या व अन्य ब्रह्माकुमारी बहनों ने ध्वजारोहण के बाद केक काटा।

सीईओ नयन तारा सिंह तोमर ने कहा कि कलयुग में अशांत वायुमंडल होने के कारण हमें आध्यात्म की जरूरत पड़ती है। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन और एक्सरसाइज की जरूरत होती है, उसी प्रकार आत्मा का भोजन और एक्सरसाइज आध्यात्म से होता है। इससे हमारी चेतना जागरूक होकर सही निर्णय लेने एवं हर कार्य में सफलता दिलाने में मदद करती है। सीईओ विनय अग्रवाल ने अपने अनुभव के साथ कहा कि सेंटर में जुड़ने से सहजता का अनुभव होता है। यहां दी जा रही सेवाओं से शांति, संतुष्टता मिलती है। संस्था का कार्य बहुत अच्छा है। राकेश बघेल ने बताया कि योग, तपस्या, धारणा के कारण हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारियांयों को सहजता से वे निभा पाते हैं। अजय तिवारी ने कहा कि आध्यात्म आत्मा का भोजन है यह संस्था बाह्य से अंतर्मुखी की तरफ ले जाना सिखाती है। ब्रह्माकुमारी विद्या ने शिव अवतरण दिवस को स्पष्ट करते हुए बताया कि शिवरात्रि एक ऐसा पर्व है जिसमें रात्रि शब्द जुड़ा हुआ है। शिवरात्रि अर्थात सृष्टि पर मनुष्य अज्ञानता रूपी अंधकार के कारण विकारों में घिर जाते हैं, तब निराकार परमात्मा शिव स्वयं इस धरा पर आकर आत्मज्योति में ज्ञान घृत डालकर हमारे अंदर के बुराइयों को समाप्त कर विकारों पर जीत पाना सिखाते हैं। इस दिन उपवास रखा जाता है। उप का मतलब निकट वास अर्थात परमात्मा के समीप रहना ही सच्ची शिवरात्रि मनाना है। इस मौके पर संस्था से जुड़े सैकड़ो लोगों की उपस्थिति रही।

रविदास महाराज की जन्म जयंती पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों का शाल-श्रीफल से सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर (कोरिया)। संत शिरोमणि रविदास महाराज की 649वीं जन्म जयंती ग्राम खाड़ा-खोड़री बैकुण्ठपुर में गुरूपर्व के रूप में संपन्न हुई। इनके मानवता वादी विचारों को लेकर रविदास समाज जन कल्याण सरगुजा संभाग एवं सर्व रविदास समाज छ.ग. के तत्वावधान में मोहित राम पैकरा जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया के मुख्य आतिथ्य एवं श्रीमती अम्बिका सिंहदेव पूर्व विधायक बैकुंठपुर व संसदीय सचिव छ.ग.शासन के अति विशिष्ट आतिथ्य व वंदना विजय राजवाड़े जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया, वेदान्ती तिवारी पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कोरिया, गीता राजवाड़े जिला पंचायत सदस्य, संगीता सोनवानी जिला पंचायत सदस्य, गायत्री सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष पटना, धर्मवती राजवाड़े जनपद सदस्य बैकुंठपुर, शारदा गुप्ता, तीरथ राजवाड़े, बिहारी राजवाड़े, विकास श्रीवास्तव, भूपेंद्र सिंह, रविंद्र सिंह, शशिप्रकाश जायसवाल, राजेन्द्र पावले, संजय चिकनजूरी, रुपेश सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संभागीय अध्यक्ष शिवप्रसाद रवि ने की। जयंती समारोह का शुभारंभ संत शिरोमणि रविदास महाराज, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर एवं भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके व दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। तत्पश्चात भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कराया गया। संत शिरोमणि रविदास महराज की संभाग स्तरीय जयंती का उद्देश्य उनके अमृत वाणी का प्रचार-प्रसार जन-जन तक पहुंचाना था, इसके तहत पहली बार रविदास समाज जन कल्याण सरगुजा संभाग छत्तीसगढ़ द्वारा सर्व समाज को आमंत्रित कर सामाजिक असमानता, छुआछूत, अशिक्षा, नशापान एवं अन्य सामाजिक कुरीतियां पर विचार-विमर्श कर भेदभाव मिटाकर एकता की स्थापना करने का निर्णय लिया गया, और भारत की एकता, अखंडता की रक्षा करने व विकसित भारत के निर्माण में तन-मन-धन और योग्यता लगाने का आह्वान किया, जिससे आने वाली पीढ़ियों का चौमुखी विकास हो सके। जयंती समारोह में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान शाल और श्रीफल भेंट करके किया गया। कुछ साथियों को नई जिम्मेदारी के साथ पद भी दिया गया। सर्व समाज द्वारा आयोजित संत शिरोमणि रविदास की जयंती की सराहना करते हुए भविष्य में संत, महापुरुषों की जयंती सार्वजनिक रूप से मनाने की बात कही। कहा गया कि कोई भी संत, महापुरुष किसी एक जाति या समाज के लिए नहीं बल्कि पूरे मानव समाज के लिए आदरणीय हैं। संत, महापुरुषों और शहीदों को जाति में ना बांटा जाए। कार्यक्रम में सरगुजा संभाग के सभी छह जिलों के ग्रामीण, ब्लॉक, जिला, संभाग व प्रदेश पदाधिकारियों के साथ हजारों की संख्या में लोग उपस्थिति हुए।

असोला मिडिल स्कूल में 23 दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित

दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सार्थक पहल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। ग्राम पंचायत असोला स्थित मिडिल स्कूल परिसर में दिव्यांगों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया की पहल पर समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें 23 निशक्तों को सहायक उपकरण प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। शिविर के दौरान दिव्यांगों को 13 ट्राई-साइकिल, 3 व्हील चेयर, 2 श्रवण यंत्र, 3 सेंसर छड़ी, 2 बैशाखी तथा कृत्रिम अंग का वितरण किया गया। इसके साथ ही क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों से दिव्यांगों की सूची संकलित कर उन्हें भी सहायता उपलब्ध कराने हेतु संबंधित विभागों को जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि भारत सिंह सिसोदिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगों को सशक्त बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस प्रकार के शिविर उनके जीवन में आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता लाने का कार्य करते हैं। भाजपा की सोच हमेशा से अंत्योदय की रही है। भाजपा की साय सरकार हर जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 02 की सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि दिव्यांगजनों को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि अवसर और संसाधन की आवश्यकता होती है। इस शिविर के माध्यम से उनका दैनिक जीवन सरल बनाने का प्रयास किया गया है। भविष्य में भी क्षेत्र के सभी पात्र दिव्यांगों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान जनपद उपाध्यक्ष सतीश यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल, क्षेत्र के सरपंच, सचिव, भाजपा कार्यकर्ता तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंजन हिल कोयला खदान परियोजना की हुई जनसुनवाई

स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन, सुरक्षा उपाय और जल प्रबंधन पर विशेष जोरः जीएम

छ.ग.फ्रंटलाइन बैकुंठपुर-चिरमिरी। अंजन माइन्स प्राइवेट लिमिटेड ने दक्षिण-पूर्वी चिरमिरी कोलफिल्ड क्षेत्र में स्थित अपनी प्रस्तावित अंजन हिल कोयला खदान परियोजना के लिए जनसुनवाई सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। यह खदान कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी मेसर्स साउथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चिरमिरी क्षेत्र के अंतर्गत आती है और लगभग 388.261 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। प्रस्तावित कोयला उत्खनन के लिए जनसुनवाई 5 फरवरी को ग्राम भुकभुकी, जनपद पंचायत खड़गवां में आयोजित की गई, इस दौरान क्षेत्रीय एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों में अपर कलेक्टर अनिल सिदार, पर्यावरण जलवायु सरक्षण अधिकारी शैलेश पिसदा, अनुविभागीय अधिकारी बृजेन्द्र सारथी, सीएसपी दीपिका मिंज, एसईसीएल के महाप्रबंधक अशोक कुमार एवं सब एरिया मैनेजर मनीष सिंह मौजूद थे। जनसुनवाई में स्थानीय प्रतिनिधियों ने अपना समर्थन दिया। जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रिया मेश्राम ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हम खदान के खुलने का स्वागत करते हैं। अन्य प्रतिनिधियों में महापौर चिरमिरी राम नरेश राय, संतोष सिंह सभापति नगर निगम चिरमिरी, शिवांश जैन ब्लॉक अध्यक्ष चिरमिरी, गायत्री बिरहा नेता प्रतिपक्ष नगर निगम चिरमिरी एवं वरिष्ठ पत्रकार श्रीकांत शुक्ला भी शामिल थे। यह प्रक्रिया नामित अधिकारियों एवं वैधानिक प्राधिकरणों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ सभी नियामक आवश्यकताओं के अनुपालन में आयोजित की गई। परियोजना को स्थानीय निवासियों से सकारात्मक समर्थन प्राप्त हुआ, जो कंपनी की कार्यप्रणाली और प्रतिबद्धताओं के प्रति समुदाय के विश्वास को दर्शाता है।

जनसुनवाई के दौरान कुछ स्थानीय निवासियों ने परियोजना के लिए निजी भूमि के संभावित अधिग्रहण को लेकर चिंता व्यक्त की। इसका समाधान करते हुए एसईसीएल के महाप्रबंधक अशोक कुमार ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी निजी भूमि का अधिग्रहण नहीं किया जाएगा और परियोजना का विकास पूरी तरह से आवंटित लीज क्षेत्र के भीतर, सभी वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंजन माइन्स प्राइवेट लिमिटेड भी नियमानुसार स्थानीय समुदायों के समग्र विकास एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध रहेगी, जिसमें स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन, सुरक्षा उपाय और जल प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। कंपनी के द्वारा हालिया सामुदायिक विकास कार्यों एवं जनहित की पहलों का भी उल्लेख किया, जिनमें हाल ही में हुडी जैकेट, स्कूल बैग और डेस्क-बेंच का वितरण शामिल है, जो क्षेत्र में शिक्षा, कल्याण और बुनियादी सामुदायिक ढांचे के समर्थन के लिए निरंतर प्रयासों को दर्शित करता है। परियोजना के संचालन में आने के बाद क्षेत्र में आजीविका के अवसरों के सृजन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने व जिम्मेदार और सतत खनन प्रथाओं का पालन सुनिश्चित करने की अपेक्षा रखी गई है। परियोजना से संबंधित किसी प्रकार का विस्थापन, पुनर्वास या अतिक्रमण का मुद्दा नहीं है। इससे वनों, जल स्त्रोतों या वन्यजीवों पर किसी प्रतिकूल प्रभाव की अपेक्षा नहीं है। यह भी उल्लेख किया गया कि परियोजना क्षेत्र में कोई भी ग्राम पंचायत शामिल नहीं है, इसलिए आसपास के गांवों पर किसी नकारात्मक प्रभाव की पहचान नहीं की गई है।

विकास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्थानीय व्यापार जगत के प्रतिनिधि ओम प्रकाश अग्रवाल ने कहा यह परियोजना हमारे क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण विकास अवसर है। पर्यावरणीय सुरक्षा और सामुदायिक कल्याण के अनुरूप जिम्मेदार खनन न केवल स्थानीय आजीविका को बढ़ावा देगा, बल्कि चिरमिरी के व्यापारिक समुदाय की आर्थिक नींव को भी सुदृढ़ करेगा। अंजन माइन्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की, ताकि श्रमिकों और आसपास के समुदायों तक सतत लाभ सुनिश्चित हो सके। जनसुनवाई के उपरांत, अंजन माइन्स प्राइवेट लिमिटेड वैधानिक एवं नियामक स्वीकृतियों के अनुरूप परियोजना के अगले चरणों की ओर अग्रसर होगी और क्षेत्र में जिम्मेदार, समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय हितधारकों के साथ निकटता से कार्य करती रहेगी।

आश्वासन नहीं मिलने पर आदिवासी समाज ने चक्काजाम का किया ऐलान

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज ने जिला प्रशासन पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए चक्काजाम की चेतावनी दी है। समाज द्वारा 2 फरवरी को प्रस्तुत ज्ञापन पर ठोस आश्वासन नहीं मिलने से आदिवासी समाज में रोष व्याप्त है। आदिवासी समाज का कहना है कि ग्राम जामवन्तपुर तहसील रामानुजगंज स्थित भूमि से जुड़े न्यायालयीन आदेश के अनुपालन एवं सीमांकन की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके विरोध में सर्व आदिवासी समाज ने 9 फरवरी, सोमवार को ग्राम जामवन्तपुर स्थित एनएच-343 पर धरना-प्रदर्शन व चक्काजाम करने का निर्णय लिया है। समाज ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित तिथि से पूर्व कार्रवाई नहीं होती है, तो आंदोलन के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। यह ज्ञापन जिला अध्यक्ष बसंत कुजूर के नेतृत्व में सौंपा गया।

कलेक्टर ने प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास दरिमा का औचक निरीक्षण किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के साथ दरिमा में प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास एवं जिला स्तरीय प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने छात्रावास परिसर, रसोई कक्ष, शयनकक्ष का अवलोकन किया। भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान रखने तथा समुचित व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने छात्राओं से सीधा संवाद करके उनकी समस्याओं एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया। उन्होंने आगामी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत कर बेहतर रिजल्ट लाने प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को छात्रावास में आवश्यकता अनुसार पंखे लगवाने एवं छात्राओं के लिए खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय प्लास्टिक प्रोसेसिंग इकाई का निरीक्षण करने के दौरान कलेक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत कचरा कलेक्शन की प्रक्रिया, उठाव, प्रोसेसिंग, निर्मित उत्पादों की जानकारी ली तथा सेंटर के सभी इकाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने इकाई में कार्यरत महिलाओं से चर्चा करके उनके कार्य अनुभव के बारे में पूछा तथा उन्हें प्रोत्साहित किया। निरीक्षण दौरान अधिकारियों ने बताया कि केन्द्र में एकत्रित प्लास्टिक कचरे का प्रोसेसिंग कर दाने, गट्टे एवं अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। वर्तमान में इन दानों से प्लास्टिक की रस्सी बनाने का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक की बाल्टी एवं डस्टबिन उत्पादन की भी योजना बनाई गई है, कलेक्टर ने एमआरसी सेंटर तैयार करने जल्द आवश्यक कार्ययोजना बनाने निर्देशित किया। निरीक्षण में उन्होंने इकाई के सतत संचालन, कार्यरत कर्मचारियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, सावधानी एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

डॉयल 112 के संचालन हेतु सूरजपुर जिला के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस मुख्यालय रायपुर के निर्देशानुसार जिला सूरजपुर में डॉयल-112 योजना शीघ्र ही प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है, इसी क्रम में डॉयल-112 योजना के सफल संचालन हेतु डीसीसी सूरजपुर के पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को डीसीसी डॉयल-112 जिला-सरगुजा में प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण मे अधिकारी-कर्मचारियों को डॉयल 112 योजना (एक्के नंबर सब्बो बर) के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी दी गई, जिसमें बताया गया कि किस प्रकार डीसीसी द्वारा जिले में संचालित ईआरयू/ईआरव्ही की मॉनिटरिंग की जाती है, साथ ही सेंट्रलाइज्ड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर (सी-4) से प्राप्त केस आईडी/इवेंट के विभिन्न प्रकारों के वर्गीकरण की जानकारी विस्तृत रूप से प्रदान की गई। अधिकारी/कर्मचारियों को डीसीसी के जरिए ईआरयू/ईआरव्ही से समन्वय के बेहतर उपाय एवं संवाद की जानकारी दी गई। डीसीसी की कार्यालयीन कार्यप्रणाली के संबंध में अधिकारी/कर्मचारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिले के महत्वपूर्ण संपर्क नंबरों एवं अधिकारियों, आगजनी, एक्सीडेंट, सुसाइड, जहर सेवन आदि प्राप्त इवेंटो पर ईआरयू एवं डीसीसी की कार्यप्रणाली के संबंध में बताया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर